हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

3 सितम्बर, 2002

(प्रथम बैठक)

खण्ड 2, अंक 2

अणिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 3 सितम्बर, 2002

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उतर	(2)1
वाक आउट	(2)16
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (सुनरारम्भ)	(2)16

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर अतारंकित प्र न एवं उत्तर	(2)18
अतारंकित प्र न एवं उत्तर	(2)25
विभिन्न मामले उठाना तथा कैप्टन अजय सिंह यादव के निलम्बन को वापस लेने के लिए अनुरोध करना	(2)28
वाक आउट	(2)29
विभिन्न मामले उठाना तथा कैप्टन अजय सिंह यादव के निलम्बन को वापस लेने के लिए अनुरोध करना (पुनराम्भ)	(2)29
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव –	(2)31
सहकारी तथा निजी चीनी मिलों द्वारा किसानों की अदायगी न करने संबंधी	(2)31
वक्तव्य–	(2)32
उपरोक्त ध्यानाकर्शण संबंधी कृ ा मंत्री द्वारा	(2)32
विवेक उच्च विद्यालय, चंडीगढ़ के विद्यार्थियों का स्वागत	(2)38
वक्तव्य–	

उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी (पुनरारम्भ) कृशि मंत्री द्वारा	(2)38
वाक आउट्स	(2)40
वर्श 2002–2003 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) प्रस्तुत करना	(2)41
प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(2)41
वर्श 2002–2003 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(2)41
वर्श 1997–98 तथा 1998–99 के अनुदानों और विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करना।	(2)42

हरियाणा विणान सभा

मंगलवार 3 सितम्बर 2002

(प्रथम बैठक)

हरियाणा विणान सभा की बैठक विणान सभा हाल विधान भवन सैक्टर–1 चण्डीगढ में प्रात 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष श्री सतबीर सिंह कादियान ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैमबर्ज अब प्र न होंगे। श्री नफे सिंह राठी जी, आप अपना प्र न पूछें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय,प्र न काल भाुरू करने से पहले मेरा आपसे निवेदन हें कि आपने हमारे एक मैम्बर कसे बाहर भेज दिया है वह मैम्बर अपने प्र न पुछना चाहता हो तो आप उसको सदन में बुलाने का कश्ट करें।

श्री अध्यक्षः उसको मैंने नही भेजा उसके कंडक्ट ने उसको बाहर भेजा हें । यह मामला आप जीरो आवर में उठाना। अभी प्र न काल का समय है । आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (भाोर एवं व्यवधान) नफे सिंह राठी जी,आप अपा प्र न पूछें। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडाः अध्यक्ष महोदय, हमने पदो कालिंग अटैं ान मो ान दी थीं, आप यह बताएं कि आपने वे मंजूर की हैं या नही ? (भाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन हें कि (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठें। भाोर एवं व्यवधान अभी क्वै चन आवर है। आप जीरो आवर में बात करना। (भाोर एवं व्यवधान)

Report of the Enquiry Commission

1139. Shri Nafe Singh Rathi : Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) Whether it is a fact that an Enquiry Commission was constituted to enquire into the incidents of police firing in Police Station, Bahadurgarh, district Jhajjar and in Pashupati Factoy, district Rewari; and

(b) if so, whether the report of the said Commission has been received by the Government togetherwith the action taken theron?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) हां, श्रीमान।

(ख) वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी है।

सूचना

(ख) राज्य सरकार को प ुपति फैक्टरी, धारूहेडा, तिला की दिनांक 30–6–2000 तथा पुलिस थाना भाहर,बहादुरगढ में पुलिस फायरिंग की घटना बारे जांच आसोग की रिपोर्ट दिनांक 11–12–99 को प्राप्त हो चुकी है। आयोग की रिपोर्ट तथा उस पर की गई कार्यवाही की सूचना सदन के पटल पर 5–9–2000 को, रख दी गई थीं।

जांच आयोग की रिपोर्ट प्राप्त हाने पर राज्य सरकार द्वारा निम्नलिखित कार्यवाही की गई हैः–

बहादुगढ जिला झज्जर के पुलिस थाना में फायरिंग बारे

1. पुलिस फायरिंग में मारे गए स्वर्गीय जयपाल की विधवा को एक लाख रूपसे वितीय सहायता के रूप में दिए गए और उपायुक्त झज्जर के कार्यालय में सेवादार के पद पर नौकरी भी दी जा चुकी है। श्री ि ाव लाल निवासी जिला सीकर, राजस्थान, (र्मतक अ ाोक कुमार का कानूनी उतराधिकारी) को एक लाख यपए की वितीय सहायता भेजी गई है। श्री अ ाोक कुमार की बहन को नौकरी उसके नाबालिग होने के कारण नहीं दी जा सकी।

2. श्री अनिल कुमार, पूर्व उ०पु०अ० बहादुरगढ ाके मामले में ठीक प्रकार से अनुसंधान की देख रेख न करने और लापरवाही के लिए नियम 8 अपल इंडिया सर्विस (डी० तथा ए०)

नियम 1969 के अन्तर्गत बडी सजर हेतु चार्ज ाीट जारी की गई है। महानिरीक्षक पुलिस, गुडगाव मंडल को आरोपों की जाचं कें लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। सम्बन्धित मामले में जांच ठीक प्रकार से अनुसंधान की देख रेख न करने और बेकसूर को झूठे मुकदके कें फसाने हेतु श्रीमती कला रामचन्द्रन, पूर्व सहपयक पुलिस अधीक्षक, बहादुरगझ तथा श्री राज कुमार, पूर्व उप०पु० अधीक्षक बहादुरगझ से स्पश्टीकरण मांगे गए है।

3. उप० नि० सज्जन कुमार, पूर्वथाना प्रबन्धक, भाहर बहादुरगढ और स०उ०नि०सत नारायण, पुर्व जांच अधिकारी बहादुरगढ को एक बेकसूर आदमी को गिरफतार करने हेतु चार्ज ाीट जारी की गई थी जो जांच पूरी होने पर उन दोनों की एक–एक सालाना वेतन वृद्धि पक्के तौर पर बन्द करने की सजा दी गई है। उ०नि० अ ाोक कुमार,(अब निरीक्षक) पुर्व थाना प्रबन्धक बहादुरगझ के विरूद्ध भी उक्त चार्ज हेतु विभागीय जांच आरम्भ की गई थी जो डिफैंस स्टेज पर लम्बित है।

4. उप०नि० रघबीर सिंह, पूर्व थाना प्रबन्धक भाहर बहादुरबझ और चार सिपाहियों को फायरिंग के दिन लापरवाही के लिए एक नियमित विभागीय जपंच भ्रारू की गई थी लेकिन उनके वियद्ध आरोप सिद्ध नहीं हो सके और विभागीय जांच दाखिल कार्यालय कर दी गई है श्री सुख लाल,पूर्व उप०पु०अ० बहादुरगढ दिनांक 31–3–99 को सेवानिर्वत हो चुका है इसलिए उसके विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

5. लडकियों को मारने के मामनों मके अभियुक्त को गिरफतार करने हेतु 50,000/– रूपए दी गई ईनामकी रा िा दिज्जी पुलिस से वापस ले ली गई है जो राज्य के सरकारी खाजाना में जमा हो चुकी है। इस सम्बन्ध में दिल्ली पुलिस के कसूरवार कर्मचारियों के विरूद्ध विजिलैंस जांच भी भाुरू करवाई गई है।

जिला रिवाड़ी धारूहेड़ा की प ाुपति फैक्टरी में फायरिंग

1. पुलिस फायरिंग में मारे गए चार लोगों में प्रत्येक को दो–दो लाख भपए दिए जा चुके है तथा 24 घायल आदमियों को 3,24,000/– बतौर हर्जाना दिया गया है। चार मारे गए लोगों में से तीन के परिवारों को प ाुपति मिल धारूहेडा की तरफ से एक एक आदमी को नौकरी दी गई है।

2. श्री भााम लाल रेडियोग्राफर, जगदी ा लाल बहल, अधीक्षक जो कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी है, को बडी सजा हेतु नियम–7 हरियाणा सिविल सेवाएं (पी०एण्ड ए०)नियम 1987 के अन्तर्गत चार्ज ाीट किया गया है। श्री भोर सिंह, लिपिक स्वास्थ्य विभाग को भी नियम–7 हरियाणा सिविल सेवाएं (पी०एण्ड ए०) नियम 1987 के अन्तर्गत चपर्ज ाीट करने का निर्णय लिया है।

3. श्रम अपयुक्त हरियाणा ने अपने सभी उप श्रम अपयुक्त व श्रम एवं सुलह अधिकारियों को श्रम अ ाान्ति के

मुछछों को सुझबूझ व भाान्तिपूर्वक निपटाने हेतु हिदायतें जारी की गई है।

4. श्री भप सिंह, एच०डी०एम० रिवाडी, श्री सोहन लाल, पूर्व पु०अ० रिवाडी और पुलिस के दूसरे अधिकारियों तथा कर्मचारियों के विरूद्ध अनु ाासनिक कार्यवाही राज्य सरकार के विचाराधीन हैं।

चौ०नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि बेबी किलर कांड 20—9—1995

को भाुरू हुए थे और उसमें 8 और 9 साल की एक दर्जन से ज्यादा बच्चियां मारी गयी थीं। कांग्रेस के राज में ये सारे घृणित कार्य हुए थे और 4—5 बच्चियां चौधरी बंसी लसल जी के राज मके मारी गई थी। केवल कुछ अधिकारियों के खिलाफ केवल एक इन्क्रीमैंट बन्द करने की सजा दी गई है। स्पीकर सर, मैं यह जानना चाहूंगा कि उन अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही अमल मके लाई जाएगी या नहीं ?

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि यह हादसा बेबी किलर कांड को लेकर हुआ था। अंत मके जब कोमल नाम की लडकी का अपहरण हो गया तब बहादुरगढ की जनता इस बात पर आको ा जता रही थी और वहां पर फायरिंग हुई थी। मैं अपने साथी को बताना चाहूंगा कि उसकी जांच के लिए एक कौल

कमि ान बिठाया गया था और उसकी जो रिपोर्ट आई थी उसके अनुसार कार्यवाही हुई थी जो दोशी अधिकारी थे, जिन्होंले बेबी किलर कांड पर पर्दा डालने के लिए 3 निर्दोशनोगों को गिरफतार कर लिया था और उनको गिरफतार करने के बाद जो चौथी गिरफतारी हुई थी वह सही हुई थी। इस रिपोर्ट मके पुलिस की असफलता थी कि वे मामले की गहराई तक नही पहुंची और बेबी किलर कांड मै जिन लोगों को चिन्हित किया गया और जिन्होंने गलत कार्यवाही की थी उनके खिलाफ कार्यवाही हुई है। अध्यक्ष महोदय, कौल कमि ान की रिपोर्ट पर ही कार्यवाही की गई है। अध्यक्ष महोदय, उन्ही के अपदे ा के अनुसार जयपाल रेड्डी की विधवा को उपायुक्त के ऑफिस में नौकरी दी गई थी और मुख्यमंत्री कोश से एक लाख रूपया दिया गया था। इसी प्रकार अनिल कुमार डी.एस.पी. को सर्विस रूल 8 के तहत चार्ज ाट किया गया। कला राम चन्द्रन तत्कालीन ए०एस०पी० बहादुरगढ और राम कुमार तत्कालीन डी०डस०पी० बहांदुरगढ का स्पश्टीकरण मांगा गया है और उनका स्पश्टीकरण आना बाकी है। सज्जन कुमार तत्कालीन एस०एच०ओ० बहादुरगढ तथा सत्यनारायण बहादुरगढ को गलत आदमी की गिरफतारी के कारण चार्ज ाट किया गया है। अ ाोक कुमार तत्कालीन एस०एच०ओ० बहादुरगढ के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चल रही है। इसी पगकार माननीय साथी ने कहा है कि यह कार्यसवही थोडी है। स्पीकर सर, क्वासी ज्युडि ायल प्रकिया होती है जिसके बारे में सीमा निर्धारित करना उचित नहीं है। फिर भी हम जल्दी से जल्दी कार्यवाही करेंगे।

उपाध्यक्ष (श्री गोपीचन्द गहलोत): स्पीकर साहब, मैं बापके माध्या से जानना चाहता हूं कि प ाुपति फैक्टरी के मामले का क्या हुआ। वहां पर भी पांच आदमियों को गोलियों से भूना गया था। इसके बारे मके भी मन्त्री महोदय अपने मेन जवाब मके बता दें।(विघ्न)

श्री रामपाल माजरा: स्पीकर सर, इसमें जो सप्लीमैंट्री किया गया है वह बहादुरगढ के मामले को ही लेकर किया गया है।

श्री रामबीर सिंह: स्पीकर सर, प ाुपति फैक्ट्री धारूहेडा में जो चार मजदूर पुलिस फायरिंग मके कारे गए थे उसका मुख्य कारण यह था कि तत्कालीन बंसीलाल जी की सरकार की भाह के ऊपर जो फैक्ट्री के मालिक को, प्रबन्धक थे उन्होने अपनी मर्जी की यूनियन को फैक्ट्री में बिठाने की कोि ा ा की थी इसलिए यह विवाद पैदा हुआ। जब भाान्तिप्रिय मजदुर वहां पर धरना दे रहे थे तो पुलिस ने उन पर गोलीबारी की। स्पीकर सर, कौल कमी ान की रिपोर्ट मे यह स्पश्ट लिखा हुआा है कि पुलिस की जो गोलीबारी थी या जो बल प्रयोग था वह ज री नही था। मै आपके माध्यम से माननीय सी पी एस महोदय से जालला चाहूंगा कि जब कौल कमी ान की रिपोर्ट यह कह रही थी कि बल प्रयोग जरूरी नही था और इस बल प्रयोग में तत्कालीन प्र ाासन की और पुलिस की अपाराधिकता की बू आती है तो अब कौल

कमी ान की इस रिपोर्ट पर ारकार क्या कार्यसवही करने जा रही है ?

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, यह सही है कि जो कौल कमी ान की रिपोर्ट आयी उसमें यह बात उजागर की गयी है कि वहां पर पुलिस ने जो कार्यसवही की थी, यह गलत थी। इस पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मृत्यु हो गयी थी। सर, इस रिपोर्ट के मुताबिक उनको दो–दो लाख रूपया दिया गया तथा चार मारे गए लोगों में से तीन के वारिसों को नौकरी भी दी गयी है। इसी प्रकार से जो इस फायरिंग में फट्टड हुए थे उनको बतौर हर्जाना 3,27,000/–रूपये भी दिये गये है। स्पीकर सर, जिन अधिकारियों ने मेडीकल रिपोर्ट में फेरबदल करने की कोि ा ा की है उनकी भी पहचान कर नी गयी है। श्री भााम लाल, रेडियोग्राफर एवं श्री जगदी ा लाल बहल, अधीक्षक जोकि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी है को बडी सजा देने के नियम सात के अन्तर्गत चार्ज ाीट करने का भी निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार से श्री रूप सिंह तत्कालीन एस०डी०एम०रिवाडी एवं श्री सोहन लाल,तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, रिवाडी और पुलिस के दूसरे अधिकारिसों तथा कर्मचारियों के विरूद्ध अनु ाासनात्मक कार्यवाही सरकार के विचाराधीन है। इसी तरह से श्रम आयुक्त हरियाणा ने अपने सभी उप श्रम आयुक्त एवं श्रम और सुलह अधिकारियों को यह हिदायतें जारी की है कि वे इस प्रकार के मामलों को भाान्तिपूर्वक तरीके से निपटाने का प्रयास करें।

चौ० नफे सिंह राठीः स्पीकर सर, जैसा कि मैं बता रहा था कि ये बेबी किलर कांउ 20–2–1995 को भाुरू हुए थे और उस समय चौधरी भजनलाल मुख्यमंत्री थे। स्पीार सर, उस समय नाजाया तरीके से आदमियों को जेलों में डाल दिया जाता था। इस बेबी किलर कांड के मामले में भी दो लडके नाजायज तरीके से पुलिस ने जेल में बंद कर दिए थे। अनमें से एक की तो बाद में जेल में हत्या हो गयी थी और दूसरे को कई साल बाद निर्दोश करार दिया गया था जब असली मुलजिम पकड़ा गया था। स्पीकर सर, मेरी आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से रिक्वैस्ट है कि इसमें जो भी पुलिस अधिकारी भाामिल है,जिनके बारे में कहा गया है कि उनसे स्पश्टीकरण मांगा गया है। स्पीकर सर, इतना लम्बा अर्सा होने के बावजूद अभी तक उस स्पश्टीकरण का जवाब नही आया है। जिन पुलिस अधिकारियों को अभी तक सजा दी गयी है वह केवल वेतन वृद्धि रोकने की ही दी गई है। स्पीकर सर, यह सजा नाकाफी है। मेरा आपके माध्यम से प्र न है कि इस मामले में कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जाएगी या नही?

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, यह ठीक है कि इस रिपोर्ट में भी और जांच के बाद भी असली अपराधी सती ा पुत्र बृजलाल ही था। परन्तु तीन अन्य व्यक्ति रामबाबू पुत्र रामलखन,राजकुमार पुत्र चन्दा सिंह और भांकर पुत्र मोहन चौधरी को झूठा फसाया गया था क्योकि ये बेबी किलर नही थे। स्पीकर सर, इवन दिल्ली पुलिस को पचास हजार का जो अवार्ड दिया गया

था हमारी इस रिपोर्ट के मुताबिक वह पचास हजार रूपये भी वापस ले लिए गए और इनके खिलाफ जो भी कार्यवाही बनती होगी वह हम करेंगे। यह ठीक है कि नफे सिंह राठी जी वहां से प्रतिनिधित्व करते है उन्होने बताया है कि एक व्यक्ति को फसाया गया था, उसकी जेल में हत्या कर दी गई थी। जिन अधिकारियों ने गलत रिपोर्ट दी उनके खिलाफ कार्यवाही करेंगे और जो रिकमंडे ान कौल कमी ान की है उसके मुताबिक ही कार्यवाही करेंगे।

श्री रामबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी जैसा सी०पी०एस० साहब ने बताया कि धारूहेडा में प ाुपति मिल में जिन अधिकारियों की कोताही की वजह से गोली कांड हुआ और चार मजदुर मरे उनके खिलाफ अनु ाासनात्मक कार्यवाही करने का निर्णय किया गया है। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग या जो दुसरे लोग थे उनके खिलाफ कब तक ठोस कारवाई की जाएगी ? क्या इसके लिए कोई समय सीमा नि चत करेंगे ? क्योकि अभी तक सरकार की तरफ से आ वासन है कि यह मामला विचाराधीन है जबकि यह इतना गंम्भीर मामला है कि इसमें चार मजदूर मरे है। जिन्होने फायरिंग की है उन अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कब तक कार्यवाही की जाएगी, यह बताने की कृपा करें।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, यह ठीक है कि कार्यवाही ऐकौरडिंग टू रूलज़ बनती है और हम कार्यवाही कर भी रहे है। इस बात को मद्देनज़र रखा गया है कि जो कौल

कमी ान की रिपोर्ट आई है उसमे इन्वौल्वड कुछ लोग रिटायर भी हो गए है उनके बारे मे कार्यवाही न करने की बात है लेकिन जैसे भााम लाल रेडियोग्राफर, जगदी ा लाल बहल, अधीक्षक और भोर सिंह लिपिक है, इनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही हैं। माननीय साथी ने जो प्र न रेज़ किया है कि सख्त कार्यवाही की जाए तो मैं बताना चाहूगां कि जरूर सख्त से सख्त कार्यवाही जल्दी की जाएगी।

उपाध्यक्ष (श्री गोपी चन्द गहलोत): माननीय अध्यक्ष महोदय, चूंकि यह मेरे से लगते क्षेत्र का मामला है इसलिए मैं इस बारे में कहना चाहूंगा। आज जो गुड़गांव तरक्की कर रहा है उसमे मजदूरों का बहुत बड़ा योगदान ळै। यह कमी ान तत्कालीन केन्द्रीय गृह मंत्री के कहने पर बना था। इस कमी ान की रिपोर्ट के अनुरूप चौधरी बंसी लाल जी यदि यहां होते तो उनको भी हम इस बारे में कहते। चौधरी बंसी लाल जी कि गोलियों की भाशा में बात करते थें इस कांड में भी उन्होंने गोलियों से बात की जिससे तीन दर्जन के करीब मजदूर घायल हुए थे। सारे क्षेत्र को छावनी बना दिया गया था। सबसे बड़ी बात यह है कि गोलियां प ुपति फैक्ट्री के अंदर से चली थीं। इस बारे में जो रिप्लाई दिया गया है उसके बारे में मैं जानना चाहुंगा कि उस मिलका जो जी०एम० होता था जिस पर पहले भी क्रिमिनल केसिज् चल रहे थे, उसके खिलाफ अब क्या कार्रवाई करने जा रहे है ?

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, यह सही है कि तत्कालीन केन्द्रीय गृह मंत्री श्री इन्द्रजीत गुप्त ने इस इंक्वायरी के आदे ा करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी बंसी लाल को कहा था। तब जाकर कौल कमी ान बनाया गया था और इसमें पंजाब एचं हरियाणा हाईकोर्ठ के रिटायर्ड न्यायमूर्ति श्री कौल को इसकी जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जैसा उपाध्यक्ष महोदय ने कहा है पहले श्री वहां इस प्रकार की बहुत सी कार्रवाई होती रहीं और यह भी सही है कि प्रंबधकों ने यूनियन में आपले फेवर का आदमी बैठाने का प्रयास था। कई प्रकार के कर्मचारी थे उनको सहुलियतें देने पर आनाकानी हो रही थी। वहां पर अपने फेवर का आदमी बैठाने के प्रयास मेकर्मचारियों में इस मामले को लेकर आक्रो ा बढा जिसकी वजह से यह फायरिंग हुई जिसमें चार मजदूर मारे गए। यह ईक है कि उसमें दर्जनों घायल हुए। जांच की रिपोर्ट कहती है कि एस०डी०एम० ने बिन जाने बिन देखे इस प्रकार के आदे ा दिये। इस बात को कौल साहब ने भी अपनी इंक्वायरी रिपोर्ट में माना है और कहा है कि अगर कौके पर जाकर के सही तरीके से कार्यवाही का अवलोकन किया जाता तो इस तरह की घटना नहीं होती। उपरध्यच महोदय की बात सही है लेकिन एक कमी ान की रिपोर्ट है उसके मुताबिक ही काम किया जाना है।

Construction of a Bridge

1150.Shri Udai Bhan: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under

consideation of the Goverbnebt to construct a bride on the railway line on Palwal-Aligarh road in Palwal city; if so, the time by which the above said bridge is likely to be constructed ?

मुचय संसदीय सचिव (श्री रामपरल माजरा): नहीं, श्रीमान् जी। इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय को बताना चाहता हॅू कि पलवन–अलीगढ रोड और पलवन–बुलन्द ाहर रोड ये दो मुख्य मार्ग है जहां पर हैवी ट्रैफिक चलता है। मेरे क्षेत्र का अधिकतर भाग भी इस रोड से प्रभावित रहता है। चौधरी बंसीलाल जी की तत्कालीन सरकार के समय भी यह प्रस्ताव आया था और इस रोड को बी०ओ०टी० के तहत बनाने के लिए टैण्डर भी हो चुके थे और इस बारे में सर्वे भी हो चुका था और रेलवे विभाग से इस बारे में परमि ान भी मिल चुकी थी। लेकिन मेरी समझ में यह बात नहीं आई कि इस बारे मे सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन क्यों नहीं है। चौधरी बंसीलाल जी ने किसी राजनीति कारण से उस प्रस्ताव को उस समय ड्राप कर दिया था माननीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी जब यमुना एक ान प्लान के ट्रीटमैंट प्लांट का ि ालान्यास करने गये थे उस समय हमने यह मांग उनके सामने रखी थी। इस समय माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में उपस्थित नहीं हैं। मेरे माननीय साथी श्री भगवान सहाय रावत जी और श्री राजेन्द्र सिंह बिसला भी उस समय वहां मौजूद थे तब माननीय

मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि यह फलाई ओवर बहुत आव यक है और इस बारे में आसपास के गांवों से एक प्रस्ताव भिजवाया जाये और इस बारे में माननीय रेल मंत्री श्री नीति ा कुमार जी से बात करेंगं कि इस फलाई इोवर को बी०ओ०टी० के तहत बनवाये। यह आ वासन माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने दिया था। अब मैं माननीय सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहुंगा कि क्या ये माननीय मुख्यमंत्री मंहोदय के आ वासन को मध्यनजर रखते हुये और चौधरी बंसीलाल जी के समय में जो अप्रुवल दी गई थी उसको ध्यान में रखते हुये इस फलाई ओवर को बनाने की कृपा करेंगे ?

श्री रामपरल माजराः स्पीकर सर, यह ठीक है कि इस फलाई ओवर के बारे में एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल हो चुकी थी और असके बाद टैण्डर काल किये गये थे। स्परकर सर, उसके बाद जब इस पुल को बी०ओ०टी० के तहत बनाने के लिए टैण्डर दिया उसने इस पुल को बनाने के लिए 15 साल की समयावधि की मांग की थी लंकिन इतनी समयावधि दिया जाना उस समय ठीक नहीं था। इस बपत को लेकर उस रोड का सर्वे हुआ था। यह ठीक है कि वह सर्वे 1999 में 28–5–99 और 30–5–1999 को किया गया था और उन्ही की एजेंसी ने यह रिपोर्ट दी थी कि इस रोड पर कार, जीप और लाईट व्हीकल्ज सिर्फ 976 चलते है और बसें केवल 148 चलती है और ट्रक 641 चलते है। इसी बात को लेकर सरकार ले माना कि बी०ओ०टी० के तहत यह पुल बनाना संभव

नहीं था। ऐसे पुल बनाने में नोर्मली 7–8 वर्श तो लग जाते है लेकिन 15साल का समय देना संभव नहीं था इसलिए इस मामले को रोक दिया गया था।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय माजरा साहब से जानना चाहता हूं कि अगर विभाग पहले वाले सर्वे से सहमत नहीं है तो वह सरकारी तौर पर सर्वे करा ले क्योंकि इस रोड पर कभी– कभी तो इतना हैवी ट्रैफिक होता है कि रेलवे लाईन से लेकर नै ानल हाई–वे तक जाम लग जाना है और आने वाले समय में नै ानल हपई–वे इस रोड के प्रभाव से जाम हो जायेगा। इस पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिये। और वह चाहे बी०ओ०टी० से बनवाया जाये या रेलवे से। इस पुल को बनाने के लिए पुनर्विचार करना चाहियें।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, जैसा कि मैंने पहले बताया इस पुल को बनाने के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रुवल दी गई थी और इसके बारे में हम अब रेलवे विभाग से टाई अप कर रहे है अगर उनकी तरफसे यस हो जाती है तो इस फलाई ओवर को बनाने के लिए हरियाणा सरकार की वरीयता सूची में तो इसका नाम है। इसलिए मैं मानीय साथी को आ वासन देना चाहूंगा कि सरकार इस मामले में रेलवे विभाग से टाई अप कर रही है क्योंकि इस फलाई ओवर को बनाने के लिए हरियाणा सरकार और रेलवे विीाग का 50–50 प्रति ात का भोयर होगा। इसलिए इसे बनाने के लिए सरकार पहले से ही विचार कर रही है।

श्री भगवान सहवय रावतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहूंगा कि जिस पुल को बनाने के लिए माननीय साथ ने प्र न उठाया है कि पलवल से अलावल, पलवल से अलीपुर और पलवल से रसूलपुर रोड पर जो जाम लगा रहता है। वह कहीं जरूरत से ज्यादा जाम होता है, इतना ज्यादा जाम प्रवे ा के किसी रोउ पर नहीं रहता है। अध्यच महोदय, यह सही हैकि वहीं भारी ट्रैफिक है, और उदय भान जी ने भी कहा हैकि इसका दोबारा सर्वे कराया जाए। जब ओम प्रका ा चौटाला की सरकार जहीं पत्थर रख गए थे, उन अधूरे पड़े कार्यो को पूरा करवा रहीं है ीो वहीं मुझे वि वास हैकि सरकार इस पर भी गौर करेगी और जनहित को ध्यान में रखकर इस पुल के निर्माण के बारे में सोचेगी। इसके इलावा मैं माननीय सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहुंगा कि क्या सरकार अपने स्तर पर इस पुल को बनवाने का विचार करेगी ?

श्री अध्यक्षः बिसला जी, आप भी अपनी सप्लीमैंटरी पुछ लें, मंत्री जी इकट्ठा जवाब दे देंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, भाई उदय भान जी ने जो प्र न किया हैवह एक अभी कुछ दिन पहले आदरणीय मुख्यमंत्री जी पलवल में आधारि ाला रखने के लिए गए थे, वहीं हम सभी ने उनसे निवेदन किया था और आदरणीय मुख्यमंत्री जी कनवींस भी थे और आ वासन भी दिया था कि वे पूल कोबनवाएंगें। अध्यक्ष महोदय, वास्तव मे हम जो पुल की मांग

कर रहे है, वह पुल रहीमनुर में यमुना का जो पुल है उसको जोड़ता है। सदन को जानकारी है कि जो सर्वे हुआ था उसके अनुसार इस रोड़ पर 170 बसें हर रोज चलती है। हम मानकर चलते हैकि कई बार सर्वे जो होता है वह तथ्यों से अलग हटकर जानकारी देता है। हम मानकर चलते हैं कि कई बपर सर्वे जो होता है वह तथ्यों से अलग हटकर जानकारी देता है। माजरा जी से हम निवेदन करते हैं कि बिना अपनी आइडेंटीफिके ान डिसक्लोज किए उस पुल के पास बैठ जाएं तब इनको पता चलेगा कि वहां कैसे 3–3 किलोमीटर तक का लम्बा जाम लग जाता है। आम आदमी की दिक्कत को ध्यान में रखते हुएं क्या सरकार यह आ वासन देगी कि उस पुल को अति भीघ्र बनवाया जाएगा। वास्तव में उस रोड़ पर 500 बसें चलती हैं और वहीं 4 स्टेटृस का ट्रैफिक है इसलिए माजरा जी हमें अप वासन देंगें कि वे खुद वहां जाकर इस रोड़ को देंखेंगें जिससे हमारी तसल्ली हो जाएगी।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौणरी उदय ने जो अलीगढ पलवल रोड़ पर रेलवे पुल बनाने का प्र न उठाया है, उसका भगवान सहाय रावत और बिसला जी ने भी समर्थन किया है। यह वास्तव में जनहित का मुद्दा है। मंत्री जी ने जबाव में कहा कि रेलवे अथोरिटी से वे बात करेंगें कि वे इस पुल को बनाने के लिए तैयार हों इसलिए मेरा मंत्री जी से प्र न भी है और सुझाव भी है कि रेलवे अथोरिटी पुरे तोर पर पुल नहीं बनाया करती

बल्कि रेलवे अथोरिटी पचास परसैंट का हिसा देंने के लिए तैयार होती है। जैसे उदय भान जी ने कहां कि क्या मंत्री जी दोबारा से इसका सर्वे करवाकर बी०ओ०टी० लैवल पर इस पुल को बनवाने का प्रयास करेंगें। और अगर बी०ओ०टी० का कोई ठेकेदार इसका टैन्डर नही देता तो जनहित को देखते हुए क्या हरियाणा सरकार अपनी तरफ से इस पुल को बनवाने का प्रयास करेंगी ? (भाोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंह मायनाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं। वैसे तो मेरा सवाल इससे हटकर है। हरियाणा प्रदे ा के अंदर जितने भी भाहर है जहां ट्रैफिक ज्यादा है वहां पुल बनवाने की कोई व्यवस्था की गई है जैसे पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी, जयपुर रोड़ है, वह नै ानल हाई–वे रोड़ है। इस पर भारी ट्रैफिक रहता है इसलिए एक तो रेवाड़ी रेलवे लाईन पर ओवर ब्रिज बनना चाहिंए।

श्री अध्यक्षः मायना जी, यह रेवाड़ी का सवाल नही है, यह पलवल का सवाल है।

श्री बलवंत सिंह मायना : अध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहां है कि मेरा प्र न इस सवाल से हट कर है। मेरा दूसरा प्र न है कि रोहतक में झज्जर रोड़ है, उस पर भी पुल बनना चाहिंए क्योकि वहां भी ट्रैफिक ज्यादा रहता है।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, इस मुद्दे पर अनेक सप्लीमैंटरीज पूछी गई है। कर्ण सिंह दलाल ने इस बारे में तो पहले भी 25–7–2000 को प्र न दिया था और इनके पास रिप्लाई गया होगा। ये खुद उससे पहले वजीर रहें है और सारी बातें इनके वक्त में हुई है। जहां तक मेरे माननीय साथी भगवान सहाय रावत और राजेन्द्र सिंह बिसला जी ने सवाल पूछा है कि क्या इस पुल का दोबारा से सर्वे करवाया जाएगां, इस बारे में बताना चाहूंगा कि दोबारा से सर्वे करवा लेंगे और इस पुल को बी०ओ०टी० लैवल पर भी बनवाने का प्रयास करेंगें। लेकिन यदि बी.ओ.टी. इस पुल को बनाने के लिए 12 साल या 15 साल का समय लेंगे तो उनसे यह पुरल बनवाना फीजीबल नही है क्योकि हम इतना ज्यादा समय नही दे सकतें। हम ज्यादा से ज्यादा 7–8 साल का समय दे सकते है। स्पीकर सर, जहां तक मेरे साथी कर्ण सिंह दलाल ने कहां है कि रेलवे वाले इस पुल को बनाने के लिए तैयार है वे गलत कह गए,रेलवे वाले इस पुल को बनाने के लिए तैयार नही है बल्कि हमारे मुख्यमंत्री महोदय उनसे यह पुल बनवाने के लिए प्रयास कर रहें है और यदि रेलवे वाले बनवायेंगे तो पचास प्रति ात भोयर रेलवे वाले देंगे और पचास प्रति ात भोयर स्टेट गवर्नमैंट देंगी।

श्री उपाध्यक्षः माजरा साहब, वहां पर वाकई में बहुत ज्यादा ट्रैफिक है।

श्री अध्यक्षः अगला प्र न भगवान सहाय रावत।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय इस पुल के बारे में मेने भी सप्लीमैंटरी पुछनी है।

श्री अध्यक्षः आपको पहले सप्लीमैंटरी पूछनी चाहिंए थी। अब अगला प्र न भाुरू हो रहा है आप उस पर सप्लीमैंटरी पूछ लेना।

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर सर, आप न तो जीरो आवर में बोलने देते है और न ही सप्लीमैंटरी पूछने देंते है।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्द्रजीत जी, आप अगले प्र न पर सप्लीमैंटरी पूछ लेना।

Patronage Rebate Amount

1100. Shri Bhagwan Sahai Rawat: Will the Minister for Cooperation be pleased to State-

(a) whether the HAFED has paid any amount to the Cooperative Marketing Societies as patronage rebate during the year 2000-2001 till date; and

(b) whether the HAFED has given rebate on the DAP bags during the year 2000-2001till date; if so, the detail therof?

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिंह भडाना) :

(क) हां, श्रीमान जी। हैफेड ने 1–4–2000 से आज तक सहकारी विपणन समितियों को 97.42 लाख रूपए की रा ि। संरक्षण छूट के रूप में दी है।

(ख) हां, श्रीमान जी। हैफेड ने डी०ए०पी० बैगों पर किसानो को 1–4–2000 से 31–7–2002 तक 925.38 लाख रूपए की छूट दी।

श्री भगवान सहाय रावत : स्पीकर सर, जैसा कि मंत्री जी ने बताया कि हैफेड ने 1–4–2000 से अब तक सहकारी विपणन समितियों को 97.42 लाख रूपए की रा ि। संरक्षण छूट के रूप में दी है। और दुसरा यह बताया कि डी०ए०पी० बैगों पर किसानो को 1–4–2000 से 31–7–2002 तक 925.38 लाख रूपए की छूट दी है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या डी०ए०पी० के अतिरिक्त भी दूसरे उर्वर्को पर भी छूट दी गई है ?

श्री करतार सिंह भडाना: स्पीकर सर, दूसरे उर्वर्को पर छूट नही दी गई।

श्री भगवान सहाय रावत: स्पीकर सर, हरियाणा कृशि प्रधान प्रदे ा है और कृशि के लिए डी०ए०पी० और दूसरे सुपरफास्फेटिक तथा रासायनिक उर्वक बहुत ही अहमियत रखते है। स्पीकर सर, इस साल पहले ही किसान सुखे की मार झेल रहे है इस बात को दृश्टिगत रखते हुए क्या मंत्री जी डी०ए०पी० के

अलावा दूसरे उर्वर्को पर भी किसानो को छूट देने बारे विचार करेंगे।

श्री करतार सिंह भडाना: स्पीकर सर, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस पर विचार कर लिया जाएगा और सम्भव होगा तो छूट भी दी जाएंगी।

Drought in the State

1142@Shri Karan Singh Dalal, Shri Jagjit singh, Shri Ramesh Kumar Khatak, Shri Ranbir Singh, Smt.Anita Yadav: Will the Minister Revenue be pleased to

(a) Whether the State of Haryana has been declared drought affected; and

(b) If so, the deatils of the relief provided or to be provided to the affected farmers?

राजस्व मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) :

(क) जी,हां

(ख) प्रभावित किसानो को दी जा रही राहत या दी जाने वाली राहत का विवरण निम्न प्रकार है :–

1. फसल खरीफ–2000 का आबियाना माफ किया है।

2. सभी अल्पावधि सहकारी ऋणो को मध्यावधि सहकारी ऋणो में परिवर्तित किया गया है।

3. जहा खराबा पचास प्रति ात या इससे अधिक हुआ है उस क्षेत्र के कृशि नलकूपों के बिल 6 मास के लिए स्थगित किए जाएंगे।

4. दिनांक 5.8.02 से 20.8.02 तक वि ोश गिरदावरी हो चुकी है। वि ोश गिरदावरी के परिणाम प्राप्त होने उपरांत प्रभावित किसानो को राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा निर्धारित नॉर्मज अनुसार राहत प्रदान की जाएंगी।

5. सिंचाई विभाग द्वारा नहरी पानी पर आधारित जल–आपूर्ति तथा प ाुओ के लिए तलाबों को नहरी पानी से भरने के कार्य को प्राथमिकता दी जाती है। सुखे के प्रभाव की क्षतिपूर्ति करने के उद्दे य से समस्त राज्य में फसलो को पानी सुनि चत करने के लिए भाखड़ा से अधिक पानी लिया गया है।

6. सूखा से प्रभावित क्षेत्रो मे वि ोश प ा स्वास्थय देखभाल कैम्प आयोजित किए जा रहें है।

7. राज्य में सूखा के कारण बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए पावर यूटिलिटीज को तेज किया गया है। पावर यूटिलिटीज ने कृशि क्षेत्र मे नियमित बिजली सप्लाई कायम रखी है। वर्श 1998–99 की तुलना मे इस वर्श सुखा–ग्रस्त महीनो में औसतन बिजली सप्लाई 50 प्रति ात अधिक रही है।

8. किसानो को ट्यूबवैल चलाने के लिए 7 घण्टे प्रतिदिन बिजली की सप्लाई सुनि चत की जा रही है और इसके

लिए अतिरिक्त रो नी के लिए बिजली प्रतिदिन 10–11 घण्टे दी जा रही है।

9. जन–स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रमीण तथा भाहरी क्षेत्रो मे पर्याप्त पीने के पानी की सप्लाई की जा रही है।

10. स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाने हेतु स्वास्थ्य कैम्पस आयोजित किए जाएगें,वि ोश कर दूर–दराज के क्षेत्रो में।

11.काम के बदले अनाज प्रोग्राम के तहत स्वराज ग्रामीण रोजगार योजना के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार उपलब्ध कराए जाएगें।

12. विभिन्न विभागो को तत्काल राहत से लिए 16.00 करोड़ रूपए की रा ि ा जारी कर दी गई है जिसका विवरण निम्न प्रकार है:

क्र. सं0	विभाग का नाम	उद्दे य	रा ि ा
1.	कृशि विभाग	वैकल्पिक फसलों के बीजों तथा जिप्सम के लिए	3.00
2.	जन–स्वास्थ्य विभाग	ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्रों में पानी की	8.00

		व्यवस्था करने के बारे	
3.	प ुपालन विभाग	प ुओं की दवाइयां खरीदने के लिए	3.00
4.	स्वास्थ्य विभाग	दवाइयां खरीदने के लिए	2.00
		योग	16.00

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने सूखे के बारे में जवाब दिया है 10:00 बजे– इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि जो जवाब इन्होंने दिया है उसमे इनके अपने जवाब में ही मतभेद है। मेने सवाल के 'क' भाग में पुछा था कि क्या हरियाणा राज्य को सुखा प्रभावित घोशित किया गया है तो इन्होने इसका जवाब हां में दिया है। दूसरी तरफ मंत्री जी ने कहां कि केवल 5.8.2002 से 20.8.2002 तक की अवधि की गिरदावरी करवाई जाएंगी। स्पीकर साहब, इनके जवाब को देखते हुए मेरा इनसे सवाल है कि कल सुखे से संबंधित विशय पर इन्होने अपने जवाब में माना है कि सूखे की वजह से किसान फसल नहीं बो सके। जब ये इस बात को जानते है कि सूखे की मार किसानो पर पड़ी हुई है और वे अपनी फसल बो नही सकते तो फिर ये वि ोश गिरदावरी क्यों करवाने पर तुले हुए है ?क्या माननीय मंत्री जी इस बात पर विचार करेंगें कि सूखे की स्थिति में बिना किसी वि ोंश गिरदावरी किए तमाम हरियाणा प्रदे ा के किसानो

को राहत देंगें ?अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने जवाब में कहां है कि सूखे के कारण लोगो को राहत पहुचाने के लिए 16 करोड़ रूपए की रा ि ा कृशि विभाग, जन–स्वास्थ्य विभाग, प ाुपालन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के लिए जारी की है। मब ये एक तरफ मान रहे है कि सूखा पूरे हरियाणा में पड़ा है तो फिर ये वि ोश गिरदावरी किस राजनीतिक आधार पर और गलत तरीके से करवा रहे है ? मेरा इस संबंध में मंत्री जी से निवेदन है कि क्या विधान सभा के सभी दलों के सदस्यों की कमेटी बनाई जाएंगी ताकि जो राहत हरियाणा के किसानो को दी जानी है वह इस विधान सभा के सदस्यो की कमेटी के माध्यम से दी जा सके ? क्या ऐसी कोई समिति गठित करके यह सारा काम उनकी देखरेख में कराने पर ये विचार करेंगे ?

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, कल भी ये एक बात कह कर चले गए। सुनने की इनकी आदत नहीं। कल हाउस में सूखे के उपर चर्चा हो रही थी और एसैम्बली के बाहर प्रदे ा में भगवान बारि ा कर रहा था। इन्होने कल भी हमारी बात ध्यान से नही सुना।(विध्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठिये। जिनका पहले सवाल है उनको मौका देंगें।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे से निवेदन करता हूं कि जो विरोधी पक्ष के विधायक साथी बेठे है उनके भी

क्वै चन है और उन्होने भी अपने सवाल पुछने है। मेरा आपसे बड़े अदब के साथ अनुरोध है कि आप सभी को बोलने का पूरा मोका दें। मैं सभी साथियों की इस संबंध में तसल्ली कर के इनको भेजूंगा। अभी श्री कर्ण सिंह दलाल यह कह रहे थे कि मेरे रिप्लाई में मतभेद है। हमारे रिप्लाई में कोई मतभेद नही है। हमारी सरकार और प्रदें ा के मुख्यमंत्री जी ने प्रदे ा को सूखे से प्रभावित राज्य घोशित किया और श्री कर्ण सिंह दलाल आज तो पलवल में रह रहे है। कभी किसान के घर में जन्म भी लिया, खेत में भी गये और आज विधायक है, इसलिए इनको पता है कि जब तक गिरदावरी नही होती तब तक हकीकत सामने नही आती है। अध्यक्ष महोदय, एक किसान के पास तो ट्यूबवैल है दूसरे किसान के पास ट्यूबवैल नही है। जिस किसान के पास ट्यूबवैल है उसने कोि ा ा की और ट्यूबवैल पर उसको अधिक बिजली मिली, उससे फसल पैदा की, नहर में पानी ज्यादा उपलब्ध हुआ और फसल पैदा की। मैं आपसे गुजारि ा करना चाहता था कि कॉलिंग अटैं ान मो न के द्वारा भी विस्तार से इस विशय पर चर्चा हुई। कितना पानी हमे भाखड़ा से मिला, कितना पानी हमे ताजेवाला हैड से मिला, किन–किन तारीखों में कितना–कितना पानी दिया यह सब मैने बताया था। लेकिन वे फिर वे यह कह कर चले गये कि पलवल के आबियाना को माफ नही किया। दलाल साहब, आपके जाने के बाद मैने बताया था कि आप के पलवल का इलाका भी उसमे है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस इलाके के भी साथी है सबको उसमे भाामिल किया गया है।

रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, भिवानी,झज्जर के उतर के इलाके में कुछ इलाके ऐसे है जहां किसान सरसों की खेती के लिए साढ़ी रखता है, बगैर साढ़ी के उस पर सरसो की बिजाई नही होती, उसको आप क्या मान कर चलेंगे। हम कबूल करके चल रहें है कि इन महीनो में बारि ा नही हुई। कुदरत मेरे हाथ में नही है, कुदरत में बहुत ताकत है। मानसून की बारि ा नहीं हुई लेकिन प्रि–मानसून में पूरे प्रदें ा में बरसात हूई थी जिसकी वजह से बिजाई भी हूई और बाद में बारि ा न होने की वजह से फसलो का नुकसान भी हुआ। जैसे बाजरा है, ग्वार है, ज्वार है, तिल है, दालें है और गन्ना भी उसमे आता है, यह कुछ ऐसा इलाका है जहां कहने को पानी मीठा है लेंकिन उस मीठे पानी की तसीर में भी थोड़ा सा तीखापन है। झज्जर, रिवाडी़, गुड़गाव और दूसरे इलाकों की यमुनानगर के इलाके से पानी की तुलना करे तो काफी अन्तर है। वहां पर भी मीठा पानी कहां जाता हैं। हमारी सरकार के बारे में इन्होने एक बात कहीं और मेरा यह दायित्व बनता है कि मैं इस बात को क्लियर करूं। अध्यक्ष महोदय, द र्कदीर्घा में लोग बैठे हुए है और पत्रकार दीर्घा में भी पत्रकार साथी बैठे हुए है कोई एक ऐसी कमेटी बना ले, अगर वह कमेटी यह साबित कर दे कि माननीय मुख्यमंत्री जी और मैने हर जगह जा कर कहां कि यह राजनितिक आपदा नहीं है यह आपदा प्रमात्मा की दी हुई है इसलिए किसी किसान के साथ राजनैतिक आधार पर कोई गिरदावरी नहीं होनी चाहिए। जो इसका हकदार है उसका हक मिलना चाहिए। (विध्न) अम्बाला और यमुनानगर में

तो कल तक बाढ़ आ रही थी। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे है कि गिरदावरी की जरूरत क्यो हुई। जब तक एक्चुअल हालात सामने नही आते कि कितनी बिजाई हुई और कितनी फसल नही हुई तब तक मुआवजा कैसे तय होगा ? दलाल साहब कल आप एक बात कह कर चले गए कि लोगो ने पहले ही फसल जोत दी।(विध्न) इन्होने कहां कि फसले गिरदावरी से पहले जोत दी गई थी। मैं सदन में कहना चाहता हुं कि 13–14 तारिक से पहले बारि ा हुई ही नहीं थी। बारि ा न हो तो उस जमीन पर हल तो छोड़ो ट्रैक्टर चलाना भी मु कल हो जाता है। जो किसान है, वे इस बात को अच्छी तरह से महसूस करते है कि जमीन इतनी सूख गई थी कि उस पर ट्रैक्टर नही चल सकता था। बारि ा 13–14 तारीख को हुई और गिरदावरी काम 5 तारीख को भाुरू हुआ और 20 तारीख तक चलता रहां। हम आपकी तरह नकली गिरदावरी नही करवाते है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि जब बारि ा ही नही हुई तो पहले फसल कैसे जोत दी गई। इसके इलावा जो फसले सूखे में द र्ाई है उनकी 100 प्रति ात गिरदावरी तहसीलदार करेगां, 25 प्रति ात गिरदावरी एस०डी०एम० जो सूखे से प्रभावित क्षेत्र है, करेंगा, इसके इलावा जो फसले सूखे में द र्ाई गई है, उनकी 10 प्रति ात गिरदावरी डी०सी० मोके पर जा कर चैक करेगा और 2 प्रति ात जांच कमि नर करेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी श्री कर्ण सिंह जी को यह बताना चाहुगा कि इसमे समय लगता है और इसको चैलेन्ज के साथ कहता हूं कि हमारी मं ाा कोई खोट नही है

श्री अध्यक्षः जगजीत सिंह जी कुछ और पुछना चाहते है तो पूछलें।(ाोर एंव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको एक सुझाव देना चाहूगां।

श्री अध्यक्षः आपका कोई प्र न नही है,आपका कोई सुझाव नही चाहिए। आप बैठिए।(ाोर एंव व्यवधान)

चौधरी भजन लाल :**********|

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी जो कुछ भी बोल रहे है, वह रिकार्ड नही किया जाए। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सभी विपक्ष के साथियो से अनुरोध है और यह अनुरोध मैने पहले भी किया था कि जो भी सदस्य जो–जो सवाल पूछना चाहे, पूछे, मैं उसका जवाब देता रहूगां।(ाोर एंव व्यवधान) यह कोई डिस्क ान का मोका नही है आप सवाल पूछे।

श्री जगजीत सिंह सागवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि इन्होने गिरदावरी 5 तारीख को भाुरू की और यह लगभग एक हफ्ते में की गई थी। सारे प्रदे ा की जमीन की गिरदावरी एक हफ्ते में हो गई। लेकिन अचानक एक हफ्ते के बाद सरकार की तरफ से आदे ा आए कि यह गिरदावरी गलत हो गइ है दोबारा से गिरदावरी की जाए।

ऐसा क्या अंदे ा हो कि सब जगहो पर 50 प्रति ात गिरदावरी गलत हो गई और दोबारा से गिरदावरी की जाए। अध्यक्ष महोदय, वहां पर डी०सी०,एस०डी०एम० और तहसील दार जांच करके आए है। अध्यक्ष महोदय, 2–3 डिस्ट्रिक्ट में खास कर के भिवानी जिले में तो सब जगहो पर गलत गिरदावरी हो गई थी। आप इस बारे में सदन में ऐसी क्या गलत गिरदावरी हो गई थी जो दोबारा से जांच के आदे ा दिए गए। इसके अलावा आपने कहां है कि इसकी रिपोर्ट आएगी। मैं आपसे कहना चाहूंगा कि गिरदावरी किए हुए 15 दिन हो गए है। अब तो रिपोर्ट आ गई होगी।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से यह भी पूछना चाहता हूं कि राज्य सरकार और भारत सरकार के गिरदावरी के बारे में क्या–क्या नॉर्मज है, उनके बारे में सदन में क्लीयर करें ?

अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा विधान सभा के मैम्बर्ज की एक कमेटी बनाई जाए और डिस्ट्रिक्ट वाईज सदन में सारे आंकड़े बताएं। (ाोर एंव व्यवधान) वह कमेटी यह देखेगी कि कही सरकार ने जोराहत देने की कोि ा ा की है उसमे कोई भेदभाव तो नही हो रहा है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने साथी को बताना चाहूगा कि भारत सरकार की और राज्य सरकार की पांच–पांच पेजो की रिपोर्ट को मिला कर दस पेजो की

रिपोर्ट है। अगर आप कहे तो मैं इसको सदन में पढ़ कर सुना देता हूं। (ाोर एंव व्यवधान) जगजीत सिंह जी, कल ये सदस्य सूखे पर कालिंग अटैं ान मो ान देकर चले गए थें। जब उस बारे में सदन में चर्चा में हिस्सा लेने की हिम्मत नही हुई तो हाउस छोड़कर भाग गए थे। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री जगजीत सिंह सांगवानः मेने कोई कालिंग अटैं ान मो ान नही दिया था।

श्री धीरपाल सिंहः अब आप क्या कहते है कि मैं इस दस पेज की रिपोर्ट को पढ़कर सुना दूं या सदन के पटल पर रख दूं।(ाोर एंव व्यवधान)

स्पीकर सर, या तो सांगवान साहब कहे कि मेरी तसल्ली हो या फिर यह दस पेज का जवाब सुनने के लिए तैयार रहें।(विध्न) पांच पेज तो भारत सरकार के ही है।

श्री जगजीत सिंह सांगवानः नही–नही पढ़ने की जरूरत नही है। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, सांगवान साहब ने एक बात और भिवानी जिले के बारे में कही। मैं इनको बताना चाहता हूं कि सरकार ने चाहे वह भिवानी हा, सरसा हो, महेन्द्रगढ़ हो, रिवाड़ी हो, फतहेबाद हो या पार्ट ऑफ जीन्द हो, इनको बाकी प्रदें ा से सूखा प्रभावित माना गया है। इन्होने जहां पचास परसैंट गिरदावरी की बात कही लेकिन मैं इनको बता दूं कि जब

गिरदावरी भाुरू हुई तो कुछ लोगो ने उसको राजनीतिक रंग देना भाुरू कर दिया। स्पीकर सर, चाहे किसी भी पार्टी का राज हो लेकिन कर्मचारी तो कर्मचारी ही है। पटवारी को लेकर भी राजनीतिक बातें हुई। स्पीकर सर,जब कुछ लोगो द्वारा इस तरह से गिरदावरी को लेकर राजनीतिक रंग देना भाुरू कर दिया गया तो सरकार ने तुरन्त इस बात को महसूस किया और वरिश्ठ अधिकारियो को अलग–अलग साइड पर यह देखने के लिए कहां कि जो यह कुछ लोगों द्वारा गिरदावरी को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है इसमे कितनी सच्चाई है। स्पीकर सर, इसमे कोई सच्चाई नही पाई गई। (विध्न) जिसका जितना हक बनता है उसको उतना दिया जाएगा। चाहे भिवानी हो, चाहे हिसार हो, चाहे झज्जर हो या चाहे कोई दूसरा इलाका हो उसको उसका हक मिलेगा। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिए। जिनके ओरिजनल क्वै चन्ज है मैं पहले एक–एक सप्लीमैट्री पूछने दे रहा हूं। (ाोर एंव व्यवधान) फोजी साहब, सवाल उन्ही का है। आप पढ़कर तो देखिए। (ाोर एंव व्यवधान) क्वै चन्ज उन्ही का है आप पढ़कर देखे। फोजी साहब अब आप बैठ जाए।

श्री रामकि ान फोजी : स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सूनिए। (ाोर एंव व्यवधान) *****

श्री अध्यक्ष : फाजी साहब की बात रिकार्ड न की जाए। (ाोर एंव व्यवधान) जिनका क्वै चन है पहले उनको सवाल पूछने का मोका दिया जा रहा है।

श्री जगजीत सिंह सांगवान : स्पीकर साहब, मेरे दूसरे सवाल का जवाब नही आया है।

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब आप बैठिए (ाोर एंव व्यवधान) सांगवान साहब, जो आप पूछना चाहते है वह खटक साहब पूछ लेंगे या फिर आप लिख कर भेज दें। अब आप बैठ जाए। (ाोर एंव व्यवधान)

वित मंत्री (प्रो०सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, इस तरह से तो हाउस का टाईम वैस्ट हो रहा है जबकि क्वै चन ऑवर बहुत ही महत्वपूर्ण है। आप पहले लिस्टेड लोगो को सवाल पूछने दें और उसके बाद अनलिस्टिड लोगो का नाम ले लें। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाएं। क्वै चन ऑवर में सिर्फ दस मिनट बाकी है इसलिए आप सभी यह टाईम वेस्ट ना करे।

प्रो०सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जो आदमी मेहनत करते है जो आदमी अपने सवाल देते पहले उनको सवाल पूछने का मोका मिलना चाहिए। ये अपने सवाल तो देते नही है और यहा पर बीच में बोलते रहते है टोकते रहते है। पहले लिस्टेड लोग पूछे

और लिस्टेड लोगो के बाद अगर आप प्रंमि ान देते है तो दूसरे लोग भी अपना सवाल पूछ सकते है। ये क्वै चन तों देते नही है।

श्री जगजीत सिंह सांगवान : स्पीकर सर, मेरे सवाल का जवाब तो अभी तक नही आया है।

श्री अध्यक्ष : आ बैठ जाए। आप खटक जी को भी कुछ पूछने दें।

श्री जगजीत सिंह सांगवान : स्पीकर सर, आप मेरी बात तो सुने।

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप बैठ जाए। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर साहब, मेरे पास इन सब के जवाब है। र्धमबीर जी भी ऐसे बोलते रहते है। धर्मबीर के गांव में या उनके आसपास के गांव में चारे की कमी से या पानी की कमी से कोई जानवर मरा हो तो बताए।(ाोर एंव व्यवधान)

केवल अखबार मैं छपवाने से बात नही बनत। हमने रात को डी०सी० को भेजा था कि पहले धर्मबीर के गांव में और उसके आसपास के गांव में जा कर देंख के आओ। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, **********

वाक आउट

श्री जगजीत सिंह सांगवान : स्पीकर साहब, मेरे सवाल का मंत्री जी द्वारा पूरा जवाब नही दिया गया ऐज–ए–प्रोटैस्ट सदन से वाक–आउट करता हूं।

(इस समय राश्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक मात्र सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान सदन से वाक–आउट कर गए।)

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर सिंह बैगेर प्रमि ान के बोल रहे है इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए। (ोर एंव व्यवधान)

तारांकित प्र न एंवम् उतर (पुनरारम्भ)

श्री रमे ा कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सूखे से जहां किसान पर प्रभाव पड़ा है वहीं व्यापारी, आम आदमी और मजदूर पर भी प्रभाव पड़ा है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि जहां किसानो को सरकार द्वारा राहत दी जाएगी वहीं मजदूरों को भी कोई सुविधा देने पर क्या सरकार विचार करेगी ? दूसरा मेरा प्र न यह हैकि जैसा कि द ााया गया है सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में वि ोश प ाु देखभल कैम्प आयोजित किए गए हैं जो प ाु स्वास्थ्य कैम्प लगाए गए हैं उसमें कितने प ाु सूखे से प्रभावित हुए हैं और अधिकारियों ने कितने आंकड़े द ााकर सरकार के पास भेजें हैं, यह जानना चाहता हूं ?

श्री धीर पाल सिंह : खटक साहब का पहला प्र न है कि गांव में किसान के अलावा समाज के और लोग भी रहते है

सूखे का प्रभाव उन पर भी पड़ा है तो उनकी रोजी रोटी के लिए प्रदे ा सरकार ने कुछ किया है तो मैं बताना चाहता हूं जी हां काम के बदले अनाज के तहत कार्य भुरू हुए और गांव–गांव में इस ढ़ग से तालाबों की खुदाई की बात थी, रास्ते में मिटटी डालने की बात थी, पाले बनाने की बात थी और स्कूल के आंगन में मिट्टी भरने की बात थी। जो ीाी काम के बदले अनाज के द्वारा मजदूरों के हाथों से संभव था उस पर सरकार ने ध्यान केन्द्रित किया है। स्पीकर सर, अप्रैल माह से लेकर जुलाई माह तक 27 करोड़ 38 लसख रूपये की रा ि ा सरकार ने काम बदले अनाज पर खर्च की इसके अलावा 21199 मीट्रिक टन गेहूं जिन्होने हाथ से काम किया उनमे बांटा है उससे काफी लोगो को वि ोशकर श्रमिहीन लोगों को राहत मिली और ज्यादा दिन काम करने का उनको मौका मिला। तीन करोड़ रूपये की रा ि ा हमने दवाईयों के लिए रखी थी उसके लिए कैम्प लगाए। कैम्पों में आए जानवरों को दवाइयां वितरित की गई। एक–एक जानवर के बारे में मोहम्मद इलियास जी ही विस्तार से बता सकेंगे। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडाः मंत्री जी, यह बताएं कि वूखे समय कितने गांवों में वे गए हैं ?

श्री धीरपाल सिंहः मैं बता रहा था कि प ापरलन विभग के लिए हमने दवाइयों के लिए 3 करोड़ रूपये जारी किए और मैंने उसकी इंक्वायरी भी करा ली है। कल इनके डाक्टर

साहब को बुलाया गया था। तीन करोड़ रूपये की दवाइया सैंटर ने उपलब्ध कराइग हैं इसलिए किसी प ाु को पीने के पानी के अभाव में, चारे के अभाव में और दवाइग्के अभव में मरने नही दें गे।

श्री अध्यक्षः रामबीर सिंह जी बोलेंगें।

श्रीमती अनिता यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का समय दीजिसे।

श्री अध्यक्षः आप रामबीर सिंह जी के बाद बोलें। अब बाप बानी सीट पर बैठिये।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, रामबीर जी तो उठ ही नही रहे हैं। आप उनको तो जबरदस्ती उठा रहे हैं और अनिता जी को बोलने की इजाजत नही दे रहे हैं आप अनको पास ऑन कैसे कर सकते हैं ?

श्री अध्यक्ष : क्वै चन लिस्ट में गलती से रणबीर सिंह की जगह रामबीर सिंह का नाम टाईप हो गया है इसलिए मैं रामबीर सिंह का नाम बोल रहा था अब रणबीर सिंह बोलेंगे।

श्री रणबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार हरियाणा प्रदे ा को सूखाग्रस्त क्षेत्र घोशित करने के बाद हरियाणा सरकार ने अपने सीमित साधनों से किस प्रकार किसानों को राहत प्रदान की है उसके लिए हरियाणा सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष

महोदय, मैं आपके माध्यम से रैवेन्यू मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार ने इसआपदा के लिए कोई आर्थिक सहायता प्रदान की है या नहीं क्योकि हमारे कृशि मंत्री महोदय, केन्द्रीय कृशि मंत्री श्री अजीत हसंह से मिले थे और उनसे 615 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता की मांग की थी क्या केन्द्र की तरफ से कोई आ वासन दिया गया कि कोई आर्थिक सहायता दी जायेगी या नहीं ? इसके साथ ही साथ मैं अपने पूरक प्र न के माध्यम से यह भी जानना चाहूंगा कि जो किसान सूखे की वजह से कोई फसल नहीं बो पाये क्या उनको मुछ राहत यर मुआवजर देने के बारे में कोई प्रस्ताव राकार के विचारधीन है ? (विध्न)

डा० रधुबीर सिंह काद्यान : अध्यक्ष महोदय, यह सीरियस मिस्टेक है क्योंकि हिन्दी वर्सन में रामबीर सिंह दिया और इंगलि ा में रणबीर सिंह दिया है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। क्वै चन लिस्ट में गलती से रणबीर सिंह की जगह रामबीर सिंह का नाम टाईप हो गया है इसलिए मैं रामबीर सिंह का नाम बोल रहा था। (विध्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो राहत प्रदान करने जा रहें हैउसके इलावा गिरदावरी करवाई है उसमे जो क्षेत्र आयेंगे उनको भी राहत दी जायेगी। केन्दग सरकार से जो आर्थिक सहायता मिलेंगी उसके अलावा राज्य सरकार के आपदा राहत कोश से राहत प्रदान की जायेगी। इसके इलावा राज्य

सरकार के अपने खर्चों में कटौती करके किसानों को उनका हक दिया जायेंगा। ऐसा मैं सदन को आश्वासन देता हूं।

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे सूखे पर बोलने का मौका दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। क्या सरकार जो गिरदावरी कर रही है उसके बाद डौमैस्टिक बिजली के बिल की रिकवरी पोस्टपोन करेगी ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, चर्चा सूखे परहो रही हो और ये घर के बिजली के बिलों की चर्चा करते हैं। (ाोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्र नकाल समाप्त होता ळें

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Modernization of Bus Fleet

1128. Shru Nafe Singh jundla: Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the government for the modernization and expasion of Bus fleet of Haryana Roadways, if so, the details thereof togertherwith the number of new gusesto be purchased during the year2002 ?

परिवहन मंत्री (श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा): श्रीमान् जी, हरियाणा राज्य परिवहन के बस बेड़े का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। वर्श 2000–2001 व 2001–2002 के दौरान क्रम ाः 489 व

705 आधुनिक डिजाईन की बसें पुरानी बसों के बदले जोड़ी गई है।

वर्तमान् वर्श के दौरान 289 बसें पुरानी बसों के स्थान पर जोड़ी जा रहीं है। इसके अतिरिक्त पुरानी बसों के स्थान पर 355 नई बसें खरीदने का निर्णय लिया जा चुका है।

हरियाणा राज्य परीवहन के बस बेड़े में वृद्धि का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Decreasing the loss of State Transport

1126, Shri Balbir Singh: Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) Whether it is a fact that the State Transport is suffering a loss due to the excessive increase in the expenses of Haryana State Transport; if so, the steps beings taken to overcome the loss of State Transport; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the vus fare due to the hikein the prices of diesel ?

परिवहन मंत्री (श्री अ ाोक कुमार) :

(क) हरियाणा राज्य परिवहन (1) डीजल की कीमतों में वृद्धि (2) भारत के राश्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विभित्र राश्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स लागू करने तथा (3) बीमा

कम्पनियों द्वारा बीमा प्रीमियम की दरों में वृद्धि करने के कारण खर्चों में भारी बढौतरी का बोझ उठा रही है।

फिर भी खर्चे में हुई बढौतरी पर काबू पाने तथा हानि को कम करने के लिये हरियाणा राज्य परिवहन के संचालन को निम्नलिखित उपायों ो और अधिक मु ाल बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं :–

1. कर्मचारियों को अच्छी प्रकार से प्रेरित काके तथा उनके अक्ष्छे प्रयासों से बसों में यात्रियों की संख्या में काफी बढौतरी लाई गयी है।

2. टायर–टयूब व कल पुर्जों के वयय को घटाया गया है।

3. कर्मचारियों की संख्या में कमी के बावजूद अच्छी कार्यकु ालता प्राप्त की जा रही है।

4. जनता की सुकवधा बढाने तथा मार्गों की उत्पादकता को बढाने के लिये मार्गों को युक्तिसंगत बनाया जा रहा है।

5. बस बेडऋे का और अधिक नवीनीारण तथा आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

6. सड़क सुरक्षा के मापदण्डों में सुधार किया जा रहा है।

(ख) नही श्रीमान जी।

Guidlines for New water/Electricity connections

1136, Shri Anil Vij : Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state-

(a) whether any new guidelines have been issued by the Urban Development Department for issuing of N.O.C. for new water and electricity connections; and

(b) if so, the details thereof ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल) :

(क) हां, श्रीमान जी, नगर विकास विभाग ने दिनांक 7–6–2002 को नगरपरलिकाओं की सीमाओं के अन्दर पानी, सीवरेज तथा बिजली के नये कनैक ान स्वीकृत/रिलीज करने के लिए अनापति प्रमाण पत्र जाी करने हेतु दि ाा निर्दे ा जारी किये है।

(ख) दि ाानिर्दे ा अनुबन्ध 'क' पर रखे है।

अनुबन्ध 'क'

बिजली, पानी व सीवरेज के कनैक ान्ज स्वीकृत/रिलीज किये जाने के लिए अनापति प्रमाण पत्र के मामलों के निर्णय लिये जाने हेतु दि ाा–निर्दे ा।

हरियाणा नगरपालिका अधिनियम,1973 में धारा 203 (एच) जोड़ी गई,जिसमें नगरपालिका से अनापति प्रमाण पत्र प्राप्त किये बिना बिजली, पानी व सीवरेज कनैक ान के स्वीकृत रिलीज करने पर प्रतिबन्ध लगाने का प्रावधान है। अब नगरपालिका सीमा में स्थित प्रत्येक भू–भवन स्वामी के लिये बिजली, पानी व सीवरेज कनैक ान स्वीकृत/रिलीज कराने के लिये आवेदन करने से पूर्व संबंधित नगरपालिका से अनापति प्रकाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य हो गया है। पालिकायो के पास बिजली, होंगें। इन आवेदन पत्रों पर नगरपरिशद/पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारी/सचिव द्वारा स्पीकिंग आर्डर पास करके निर्णय लिया जाना होगा। ऐसे आवेदन पत्रों पर निर्णय हरियाणा नगरपालिका अधिनियम 1973, कन्ट्रोलड ऐरिया एक्ट, 1963 तथा अर्बन ऐरिया एक्ट, 1975 के प्रावधानों अनुसार हो तथा अनाधिकृत कालांनियों के विकास पर प्रभावी रोक लगे, के उद्दे य से सरकार ने निम्नलिखित दि ाा निर्दे ाघोशित किये है। जिसके आधार पर ऐसे अनापति प्रमाण–पत्र जारी किये जाने हैं अथवा अस्वीकार किये जाने है।

(क) जब मक प्रार्थी द्वारा पालिकाओं से भवन प्लान की स्वीकृतिप्रति एपलब्ध नहीं करवाई जाती तब मक बिजली, पानी के कनैक ान जारी करने की स्वाकृति नहीं दी जायंगी। इसी प्रकार जब मक पालिका द्वारा स्वीकृत प्लान अनुसार भवन की कम्पली ान सर्टीफिकेट प्रस्तुत नहीं किये जाते तब तक सीवरेज

कनैक ान नही किये जायें। भवन की कम्पली ान सर्टीफिकेट उपरोक्त उद्दे य के लिए अनापति प्रमाण पत्र समझे जायेंगें।

(ख) कार्यकारी अधिकारी/सचिव अपने–2 क्षेत्र में अनुमोदित कालोनियों या स्कीमों/सैक्टरों की सूची सं ाोधित नगरपालिका अधिनियम की प्रति सहित हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम तथा लोक निर्माण विभाग(जन–स्वास्थ्य) के स्थानीय अधिकारियों को इस अनुरोध के साथ भेजेंगें कि इन अनुमोदित कालोनियों और सैक्टरों से बाहरस्थित भूमि और भवनों के लिए बिजली, पानी व सीवरेज के कनैक ान तब तक स्वीकृत न किये जायें जब तक वह पालिका से जारी करने के लिये सक्षम हैं जिसमें यह भी अनुरोध किया जायेगा कि जो भवन/भ्मभि स्वीकृत कालोनी/सैक्टर के बाहर स्थित हैं, के लिये बिजली, ापनी व सीवरेज कनैक ान मब मक जारी न किये जायें जब तक नगरपरिशद/पालिका से प्राप्त अनापति प्रमाण–पत्र प्रस्तुत नहीं करते। तथापि ऐसी अनुकोदित कालोनियें के प्लाटोंके लिए स्वीकृत भवन प्लान अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी कम्पली ान सर्टीफिकेट प्रस्तुत करने पर पालिका द्वारा उक्त उद्दे य हेतु अनापति प्रमाण–पत्र दिया समझा'जाये।

(ग) ऐसे क्षेत्रों में जो वर्तमान अनाधिकृत कालोनी का भाग नहीं हैं परन्तु कनैक ान हेतु आवेदित भुमि/मकान का ेय विकय अर्बन ऐरियाज एक्ट, 1975की धारा 7(1) की उल्लंघना करता हो, तब तक कनैक ान स्वाकृत/रिलीज नहीं किया जाये

जब तक आवेदक कालोंनी विकसित करने का लाईसेंस निदे ाक, नगरविकास हरियाणा से अनुमोदित ले–आउट प्लान या पालिका द्वारा स्वीकृत भवन, प्लान तथा कम्पली ान सर्टीफिकेट प्रस्तुत नहीं करता। यह अस्तावेज इन कालोनियों में अनापति प्रमाण–पत्र दिये समझे जायेगें।

(घ) जहीं भूमि/भवन जिसके लिये कनैक्शान आवेदित किया गया है, किसी अनाधिकृत कालोनी का भाग न हो तथा प्लान स्वीकृत किया गया हो तथा रिहसय ाी प्रकाण–पत्र जारी कर दिया गया हो, ऐसी भूमि/भवन के लिए कनैक्शान स्वीकृत कर दिये जायें।

(ड•) कार्यकारी अधिकारी/सचिव द्वारा जहां पूर्व में जारी किये गये दि ाानिर्दे ाों अनुसार भवन प्लान स्वाकृत नहीं किया गया है वहीं बिजली, पानी के कनैक्शान के लिए अनपति प्रमाण–पत्र जारी नहीं किया जाना है। इसी प्रकार स्वीकृत प्लान अनुसार निर्मित भवन के लिए जहीं रिहाय ाी प्रमाण–पत्र जारी नहीं किया गया वहां भी अनापति प्रमाण–पत्रजारी नहीं किया जायेंगा।

(च) प्रत्येक प्रतिवेदन का स्वतरू स्पश्ट आदे ाों द्वारा प्राप्ति से 15 दिन के अन्दर–2 निपटान कर दिया जाना चाहिए।

(छ) प्रत्येक माह में प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या, उनके प्राप्ति की तिथि, उनके निपटान की तिथि व अनापति

प्रमाण–पत्र जारी किये गये आदे ाों की रिपोर्ट निदे ाालय में भेजी जायेगी, जिससे उनकी जांच हो सके।

(ज) संबंधित कार्यकारी अधिकारी/सचिव, कार्यकारी अभियंता लांक–निर्माण विभाग, जन–स्वास्थ्य और हरियाणा विद्युत वितरण निगम इस संबंध में जारी दि ाा निर्दे ाों की अनंपालना के लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगें। ऐसा न किये जाने की सूरत में इन अधिकारियों के विरूद्ध अनु ाासनिक कार्यवाही ही जायेंगी।

(झ) कार्यकारी अधिकारियों/वचिवों के आर्डरज से पीड़ित आवेदक अपना प्रतिवंदन निदं ाक, नगर विकास को दे सकते हैं, जो केस का परीक्षण करके कार्यकारी अधिकारी/सचिव या प्रार्थी को उवित निर्दं ा देंगें।

Reducing the rate of Interest

1104. Sh. Sher Singh: Will the Minister for Town&Country Planning be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Haryaba Urban Development Authority(Huda) to reduce the interest ion thepayment of the instalments of the plots as well as on late payment thereof; and

(b) if so, the details thereof.

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीर पाल सिंह,) :

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख)प्र न नहीं उठता।

Allotment of Plots in Grain Markets

1159. Shri Moola Ram : Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any polivy of the Government to allot the plots of shops on concessional rates to the old Commission Agents in newly developed or developing Grain Markets in the State; and

(b) if so, the year-wise details if the plots allotted duing the period from 1996 to date under said policy ?

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) :

(क) हां,श्रीमान जी।

(ख) वर्श

Construction of Chara Mndi at Bhiwani

1124. Shri Shashi Parmar: Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is proposal under consideration of the Government to constuct Chara Mndi at Bhiwani; and

(b) if so, the time by which the above said Mandi is likely to be constructed ?

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) :

(क) हां, श्रीमान जी, भ्वानी में चारा मण्डी का निर्माण भ्रारू हो चुका है।

(ख) निर्माण कार्य सितम्बर,2003 तक पूरा किये जाने की सम्भावना है।

Construction of Grain Market at Uklana.

1106. Shri Jarnail Singh : Will the Minister fir Agriculture be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct New Grain Market at uklana; and

(b) if so, the time by which the above said Market is likely to be constricted ?

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) :

(क) हां,श्रीमान जी, उकनाना में नई अनाज मण्डी का निर्माण चनणबद्ध तरीकेसे भ्रारू किया जा चुका है।

(ख) प्रथम चरण के विकास कार्य दिसम्बर, 2003 तक पूरा किये जाने की संभावना है।

Edible Oils

1083. Shri Ram Bhagat : Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether there is anuy

proposal inder consideration of the Government to launch refined Oils of Sunflower, Corn and Groundnut etc; if so, the details thereof ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भड़ाना): हां, श्रीमान जी, सर्वप्रथम हैफेड द्वारा चावल की भूसी के रिफाइन्ड खाद्य तेल का भुभारम्भ करने का प्रस्नाव है। बाजार का रूढान दंखने के प चात् दूसरे खाद्य तंल जैसे कि रिफाइन्ड सूरजमुख का तेंल, रिफ़ाइन्ड मकई का तेल और रिफ़ाइन्ड मूंगफली के तंल को भी विभित्र वरणों में बाजार में उतारा जाएगा।

Settig up of Kachchi Ghani Oil Mills?Rice Mills

1082. Shri Balwant Singh Sadhaura: Cooperation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up Muatard Oil (Kachchi Ghani) and Rice Mills during the current Financial year in the State; if so, the details thereof ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भड़ाना) :हां, श्रीमान जी, चालू वितीय वर्श के दौरान हैफ़ेड द्वारा नारनौल में एक आधुनिक कच्ची घानी सरसो तेल मिल और रानियां (सिरसा) में चावल मिल स्थापित की जा रहीं है।

ओंढ़ां में एक कच्ची घानी तेल मिल और फतेहाबादउ में एक चावल मिल स्थापित करने का भीह प्रस्ताव है। इन दोनो

संयत्रो को स्थापित करने के लिए भूमि खरीदी/ अधिग्रहण की जा हीं है।

Construction of Cemented Roads in Dabwli

1109. Dr. Sita Ram: Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct cemented roads in Dabwali City; if so, the amount sanctioned for the purpose ?

नगर विकास राज्य मन्त्री (श्री सुभाश गोयल): हां, श्रीमान् जी। राज्य सरकार ने डबवाली भाहर में सीमेंट की सड़कों के निर्माण के लिए वर्श 2002–2003के दौरान 19.53 लाख रूपये की रा ि ा पहले ही रिलीज की है।

Strength of Students in Classes

1162 Sh. Ramesh Kumar Khatak : Will the Minister of state for Education be pleased to state whether the minimum or maximum strength of students for sitting in the 10th and 10+2 classes in the school has been prescribed; if so, the details thereof ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह): जबकि नियमों में वि ोश रूप से कोई व्यवस्था विद्यमान नहीं है,ऐजूके ान कोड में यह व्यवस्था है कि एक कक्षा कक्ष में उपलब्ध स्थान के लिए छात्रों की संख्या नहीं बढाई जाएगी और न ही साधारणत :

मिडल/हाई/सीहनयर सैकण्डरी कक्षाओंमें 50 से अधिक छात्र संख्या होगी।

Redemareation of Boundaries

1160. Shri Jagjit Singh : Will the Minister fir Revenue be pleased to state whether the State Government has constituted any Committee for the redemarcation of the boundries of Villages, Blocks and Districts;if so, the action taken by the said Committee for the purpose

नगर एवे ग्रामत आयोजनर मंत्री(श्री धीरपरल सिंह) : जीं, हां।

राजसव मंत्री महोदय की अध्यचता में इस उद्दे य के लिये एक कमेटी का गठन किया गया है।हाल ही में इस कमेटी की कई `।ठकें हो चुकी हैं जिनमें मध्डलीय आयुक्तों के माध्यम से प्राप्त ग्राम पंचायतो की मागों पर विचार किया गया है। जिन पर कार्यवाही की जा रहीं है।

Providing of Red Light

1191. Smt.Veena Chhibbar: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to provide Red Light at the crossing of Model Town in Ambala City ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): नहीं, श्रीमान् जीं।

Repair of Roads

1182. Smt. Anita yadav : Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether ther is any proposal under consideration of Government to repair the damaged roads from Kosli to Jhajjar and village Mundpura to Akheri in Sub-division Kosli; and

(b) if so, the time by which the roads are likely to be repaired ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) हां, श्री मान् जी।

(ख)मुंदपुरा से अखंढ़ी तक सड़क की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है तथा एक महीने में पूरा करदिसा जायेगा। कोसलर से झज्जर तक सड़क की मरम्मत का समय निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि वांछित धन अभी तक स्वीकृत नहीं हुआ है।

Police Housig Corporation

1122. sh. Nishan Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any separate Corporation for providing housing facility to Police Personnel in the State; and

(b) if so, the total number of houses constructed by the said Corporation during the last ten years togetherwith the amount spent thereon ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) जी, हां,

(ख) निगम द्वारा पिछलें 10वर्शों (1992—93 से 2001—2002 तक) में 2260 आवास बनाए गये जिस पर मुल खर्चा 4266.75 लाख रूपये आया।

Setting up of 33 k v Power Sub-Station

1099. Smt. Vidya Beniwal: Will the chief Minister be pleased to state whether is any proposal under consideration of the Government to set up Power Sub-Station of 33K V and above in district Sirsa; if so, details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : हां श्रीमान्, जिला सिरसा में प्रसार एवे उप प्रसार प्रणाली को मजबूत करने के लिए 11 उनकेन्द्र 49.57 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित करने नियोजित हैं। एक 220 के०वी० उपकेन्द्र रानियां, पांच 132 के०वी० उपकेन्द्र माधो सिंघाना, ऐलनाबाद, ओढान, आसा खेंड़ा और सिकन्दरपुर और पांच 33 के०वी० उपकेन्दग रसूलपुर थेरी, मेला ग्राऊन्ड सिरसा, खाड़िया, बड़ा गुड्डा तथा भाहीदांवाली है। ये सभी कार्य आगामी वित सर्श तक पूर्ण होने सम्भावित हैं।

इसके अतिरिक्त दो 33 के०वी० उपकेंन्द्र भााहूर वेगू एवे नाथूसरी की चालू कवत वर्श के दौरान क्षमता वृद्धि करना नियोजित है।

अतारांकित प्र न एवं उतर

Purchase of Substandard Material

117. Shri Karan Singh Dalal : Will the Minister for cooperation be pleased to state whether any complaint has been received by the Government in regard to purchase of substandard material in the Cooperative Sugar Mill, Palwal during the year 2000 and 2001; if so, the details thereof togetherwith the action taken thereof ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भड़ाना) : जी नही, श्रीमान् ।

Licence for Ration Depot

118. Shri Karan Singh Dalal : Will the chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of licences for Ration Depots have been given in district Faridabad during the year2000 and 2001;and

(b) the number of licences, if any, cancelled in district Faridabad, during the period referred to in part 'a'above together with the reasons thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) वर्या 2000 के दौरान 138 लार्असैंस तथा वर्या 2001 के दौरान 61 लाईसैंस जिला फरीदाबाद में रा ान डिपूओं के लिए दिए गए:

(ख) वर्श 2000 के दौरान 71 लाईसैंस था वर्श 2001 में 54 लाईसैंस रा ान डिपूओं के फरीदाबाद जिले में रा ान की वस्तुओं के विनरण में ही गई विभित्र अनिमियततरबों के कारण रद्द किए गए।

Numver of proclaimed offenders.

119. Shri Kara Singh Dalal : Will the chief Minister be pleased to state whether any criminal has been declared proclaimed offernder in the State during the year 200 and 2001; if so, the district-wise number and names therof?

Interim Reply

"ओम प्रका ा चौटाला

मुख्य मंत्री, हरियाणा

चण्डीगढ़

2—9—2002

अतारंकित प्र न सं० 119 माननीय वदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा पुछा गया है। इस प्र न के उतर के लिए विभिन्न अदालतों तथा पुलिस थानों के रिकार्ड से सूचना ली जाती हैए जो एक लम्बी प्रकिया ळ।

अतःआपसे अनुरोध हैकि इस प्र न का उतर देने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए।

आपका,

ओम प्रका ा चौटाला

श्री सतबीर सिंह कादियान,

अध्यक्ष,हरियाणा विधान सीाा,

चण्डीगढ़ ।"

Cases of Rape/Murder etc. Registered in Faridabad

125. Shri Karan Singh Dalal: Will the chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of cases of dacoity, theft, murder, rape and hurt registered in district Faridabad during the years 2000 and 2001;and

(b) the number of cases out those referred to in part 'a' above in which accused have not been apprehended/arrested?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) फरीदाबाद जिला में वर्श 2000 और 2001 में दर्ज मुकदमों की संख्या का विवरण निम्नलिखित है:–

Shortage of Drinking Water

127. Shri jagjit Singh: Will the chief minister be pleased to state-

(a) whether the Govt. is aware of the fact that there is acute shortage of drinking water in the colonies such as Ward no. 1Ravidas Mohalla, Balmiki Basti, Dhanak Basti,Gamri, Dauanand Vihar, Gandhi Nagar, Sainipura, Ramdas Nagar,Kath Mandi,Anaj Mandi, hira xhowk, Subhash chowk, chhoti Bajari etc. of Municipal Committee Charkhi Dadri District Bhiwani; and

(b) if, so, the steps being taken by the Government to solve the problem of the drinking water of the aforesaid colonies ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) इन कालोनियों में परने के पानी की कमी नहीं है।

(ख) प्र न नहीं उठता।

Providing of Sewerage

128. Shri Jgjit Singh Sangwan: Will the chief minister be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that there is no sewerage facilityin the colonie such as Ward No.1BalmikiBasti, Ravidas Basti, Dhanak Basti, Sainipura, Gandhi Nagar, Vivek Nagar, Fountain Chowk of the Municipal committee,Dadri; and

(b) if so, the time by which the facility of sewerage system is likely to be provided to the aforesaid colonies ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) तथा (ख) वार्ड संख्या 1, बाल्मीकि बस्ती, रविदास बस्ती, धानक बस्ती, सैनीपुरा, गांधी नगर व फव्वारा चा।क कालोनियों में सीवरेज वुविधा उपलब्ध है। विवेक नगर एक अस्वीकृत कालोनी है। सरकार की नरति के अनुसार स्वीकृत कालोनियों में ही सीवरेज प्रणाली बिछाई जाती है।

विभिन्न मामले उठाना तथा कैप्टन अजय सिंह यादव के निलम्बन को वापिस लेने के लिए अनुरोंध करना

Mr. Speaker: Hon'ble Menbers, I have received a Calling Attention Notice fron Shri Bhupinder Singh Hooda and five other M.L.As regarding non-payment of sugarcane to the farmers by the Co-operative and privare Sugar Mills. I admit it. Now, Shri Bhupinder SinghHoods, may read his notice.(Noise and interruptions)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, आपने हमारी कालिंग अटैं ान एडमिट की। इन दोनो करलिंग अटैं ानंस में हमारा जो साथी है कैप्टन अजय सिंह यादव,उसका नाम भी अंकित हैं। उसको बापने सस्पैंड कर रखा है। अध्यक्ष महोदय, एस वाई एल का मुद्दा एक अहम मुद्दा है और एस वाई एल हमारे हरियाणा की जीवन रेखा है, उसमें उनका बड़ा भारी कंट्रीब्यू ान है, 4 बार वे इस सदन के सदस्य रहे हैं, उनको सदन में आने की इजाजत दी जाए। उनकी सस्वैं ान खत्म करके उनको यहां बुलाएं क्योंकि उनका दोनो कालिंग अटैं ान मो ान में नाम हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजनलालः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी यहां बैठे है, एक बहुत ही सीनियर मैम्बर को पूरे हाउस के लिए नेम कर दिया गया है, दो दिन का हाउस है और दो दिन में मैम्बर हाउस में बैठकर अपनी बपत नहीं कह सकता तो इससे बुरी बात क्या होगी। दोनो कालिंग अटैं ान को ान में उसका नाम है। असलिए मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस मामने में विचार करें और उस मैम्बर को हाउस में बुलाने की कृपा करें। यह अच्छी प्रथा रहेंगी और अच्छी प्रथा डालनी चाहिए। (भाोर एवं व्यवधान) अगर उतेजना में उसने कोई बान कह दी है तो उसकी तरफ से मैं खेद प्रकट करता हूं इसलिए मेहरबानी करके उनको बुला लिया जाए।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप नोटिस पढ़ें।

चौधरी भजनलाल : अध्यक्ष महोदय, कैप्टनल के बारे में हां या ना का जवाब तो दें दें। (भाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती अनीता यादवः **********

चौ० जय प्रका ा : आप मेरी बात नहीं सुन रहे इसलिए मैं वाक आऊट करता हूं।

(रिटायर्ड) आई०जी० श्री भोर सिंहः *****: आप मेरी बात नहीं सुन रहे इसलिए मैं वाक आऊट करता हूं।

चौधरी भजनलाल: *****

श्री अध्यक्ष : जो मैम्बर बिना परमी ान के बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय इंडियन नै ानल काग्रेस पार्टी के सदस्य सर्वश्री जय प्रका ा बरवाला और भोर सिंह एज ए प्रोटैस्ट सछन से वाक आउट कर गए।)

विभिन्न मामले उठाना नथा कैप्टन अजय सिंह यादव के निलम्बन को वापिस लेने के लिए अनुरोध करना (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठें। हुड्डा साहब, आप लीडर आफ दि अपोजी ान हैं, बापके कानिंग अटैं ान लगे हुए हैं,आपके एम एल एज आपको बताए बिना वाक आउट कर गए, हाउस की प्रोसीडिंग चलने नहीं देते, आपको बोलने का मौका नहीं देते। आपने नोटिस दिए हैं, आप उन पर चर्चा करवाएं, कल भी ये चले गए और आज भी चले गए, यह इनका आचनण अच्छा नहीं लगता। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्परकर सर, कल आपने हमारे माननीय सदस्य कैप्टन अनय सिंह को सदन से पूरे सैरूान के लिए सस्पैंड कर दिया, पहले आप उनको तो हाउस में आने की इजाजत दें क्योकि यह कालिंग अटैं ान मो ान उनकी नरफ से भी दिया हुआ है। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आपकी पार्टी का प्रधान भी खड़ा है और बाप भी खड़े हैं लेकिन आपके सदस्य हाउस से बाहर चले गये। (भाोर एवं व्यवधान) इससमय आप दोनो अपनर पोजी ान दंखें। कृपा काके आप आने मेम्बरान को सम्भालें।(भाोर एवं व्यवधान) हुड्डा साहब, आप अपना नोटिस पढ़ें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, बापने हमाने एक वरिश्ठ सदस्य को कल सस्पैंड कर दिया।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा :स्पीकर सर,पहले आप क।प्टन साहब कोहाउस में आने की इजाजत दें। यदि आप कैप्टन साहब कोहाउस में आनें की इजाजत नहीं देंगे तरक हम वाक आऊट कर जायेंगे और पूसरी बात मैं यह कहना चाहता हुं कि कर्ण सिंह दलाल एक बहुत ही अहम मुद्दा कल से उठा रही है लेकिन आप उसे बोनने नहीं दे रहे। कृपा करके दलाल साहब को बाप बोलने दें। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, कर्ण सिंह दनान आपकी पार्टी का सदस्य नहीं है इसलिए आपकी सिफारि ा की जरूरत नहीं है। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय,हमारी पार्टी का सदस्य नहीं है इसलिए आपकी सिफारि ा की जरूरत नहीं है।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आपकी पार्टी के सदस्य आपकी और आपके अध्यक्ष की बात तो मानते नही है और आप दलाल साहब की सिफारि ा कर रहे है। दलाल साहब जब आपकी पार्टी में आ जाए तब आप इनके बारे में कहना। सदन मैरिट के हिसाब से चलता है और उसी हिसाब से मैं सदन चलाऊगां। हुड्डा साहब, प्लीज आप अपना नोटिस पढ़े । (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, पहले आप कैप्टन साहब के बारे में बतायें कि उन्हें हाउस में आने दिया जायेगा या नहीं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने भी ***** इस तरह आपके भाब्द भी ठीक नहीं है। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चेयर की तरफ कहे गए भाब्द कार्यवाही से निकाल दिए जाएं।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर सर, यदि आपको कैप्टन साहब ने कुछ गलत कह दिया और आपको ठेस लगी है तो उसके लिए हम खेद प्रकट करते हैं लेकिन आप कैप्टन साहब को हाउस में आने की इजाजत दें।(भाोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी, आप ही इस बारे में कुंछ कहे और कैप्टन साहब को हाउस में बुलायें।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, आप कैप्टन साहब को हाउस में आने देंगे या नहीं इस बारे हां या ना में जवाब तो बतायें। (भाोर एवं व्यवधान)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ****

श्री अध्यक्ष : कोई रिकार्डिंग न की जाये। धर्मबीर जी मुहावरे और लोकोक्तियां होती हैं आप उनका मतलब समझें। मैंने गलत भाशा का प्रयोग नहीं किया। (भाोर एवं व्यवधान) हुड्डासाहब, आप अपना नोटिस पढ़ें।

श्री जयप्रका ा : स्पीकर सर,सारा सदन आपके व्यवहार को देख रहा है और आप एक बहुत ही अहम कुर्सी पर बैठे है। (भाोर एवं व्यवधान) प्रदे ा की जनता भी आपके व्यवहार को देख रही है। (भाोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आप हुड्डा साहब से फिर से पूछ लें कि यह अपना प्रस्ताव पढ़ना चाहते हैं या नहीं। यदि नहीं पढ़ना चाहते है तो अगला बिजनैस लाया जाये ताकि सदन का समय खनाब न हो। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय,मेरा फिर से आपसे आग्रह है कि कैप्टन साहब को सदन में बुलाया जायें। (भाोर एवं व्यवधान)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

सहकारी तथा निजी चीनी मिलों द्वारा किसानों को गन्ने की अदायगी न करने सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष : भुपेन्द्र सिंह जी, प्लीज अपना नोटिस पढ़े ।

Shri Bupinder Singh: I want to draw the attention of this august House on issue of great public importance regarding the non-payment of the sugarcane to farmer by the Cooperative and Private Sugar Mill.The Chief Minister of Haryana Mr. Om Parkash chautala has announced that the pending payment of sugarcane would be made intime. The State Government had announced that a rate of Rs.104 per quintal,Rs.106 per quintal and Rs.110 per quintal depending on the variety of sugarcane would be paid to the farmer and if in any case the payment of the sugarcane is delayed to the farmer their payment will be made at the of 50% interest and recently the Chief Minister announced that the payment of the sugarcane to the farmer will be made to farmer upto 24th july, 2002, but they are sorry to apprise this august House that the arrears of payment for the purchase of sugarcane approximately Rs.40 crore are still pending .The farmer are running from pillar to post to obtain their dues but in vain.This misery of the farmer have been aggravated due to the drought condition prevailing in the State. There is a great resentment amongst the farmer leading to protests and dharnas throughout the tate.

I requst the Government to make a statement on the floor of the House and clarify the stand on the non-payment of the arrears of the sugarcane growers.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर,मेरा एक काल अटैं ान मो ान था, उसका क्या हुआ।

श्री अध्यक्षः पहले आप बैठिये।

श्री कर्णसिंह दलाल : सर, मैंने अपना काल अटैं ान मो ान आज ही आपको दिया था

श्री अध्यक्ष : अभी वह अन्डर कन्सीड्रे ान है।

वक्तव्य–

उपोत ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी कृशि मंत्री द्वारा

Mr. Speaker: Now the Agriculture Minister will make a statement.

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धु): सरकार द्वारा हमें ाा ही किसानो को उत्पादन का एचित मूल्य दिलाने के लिये प्रयास किया गये हैं। वर्श 1999–2000 से राज्य के किसानो के गन्ने की अगेती, मध्यम तथा पछेती किस्मों का कम ाः मूल्य 110, 106 तथा 104 रूपये प्रति क्विंवटल जो कि न्यूनतम सांविधिक मूल्य से ऊपर है, दिया जा रहा हैजोकि दे ा में सब से अधिक है। गन्ने की उपरोक्त दर वर्श2001–2002 के दौरान भारत सरकार द्वारा 8.5 प्रति ात रिकवरी के आधार पर निर्धारित किये गये न्यूनतम सांविधिक मूल्य 62.05 रूपये प्रति क्विंवटल से कहीं अधिक है। राज्य की सभी 15 चीनी मिलों द्वारा जिनमें से 12 सहकारी

क्षेत्र तथा 3 निजी क्षेत्र की चीनी मिलें है, चालू सीजन के दौरान गन्ने की वही कीमत देने हेतु सहमति प्रकट की जो गत वर्श 2000–2001 में अदा की गई थी।

चीनी मिलों द्वारा सीजन 2000–2001 के दौरान किसानों द्वारा सप्लाईकिये गये उनके गन्ने के मूल्य का भुगतान पूर्ण रूप से कर दिया गया है। पिराई सीजन 2001–2002 के दौरान राज्य की सभी 15 चीनी मिलों द्वारा 627.88 लाख क्विटल गन्ने की खरीद की गई जिसकी मुल कीमत 660.14 करोड़ रूपयें बनती है।

यह सत्य नहीं है कि किसानों को अभी भी लगभल 40. 00 करोड़ रूपये के मूल्य का भाुगतान किया जाना है। वास्तव में, माननीय मुख्य मंत्री द्वारा की गई घोशणा के अनुसार राज्य की सहकारी चीनी मिलों को किया जा चुका है। अब केवल निजी क्षेत्रों की तीन चीनी मिलों द्वारा दिनांक 2–9–2002 तक मुल 25. 64 करोड़ रूपये का भुगतान किसानों को किया जाना भोश रहता है जिसका विवरण निम्न प्रकार से है:–

राज्य सरकार द्वारा तीनों निजी क्षेत्र की चीनी मिलों के प्रबन्धकों को निर्दे ा दियें जाते रहे हैं कि किसानों के गन्ने का बकाया मूल्य भीघ्र अदा किया जाये। चीनी मिल यमुनानगर तथा भादसों द्वारा अब तक कम ाः 98 प्रति ात तथा 84 प्रति ात गन्ने के ूलय का भुगतरन किया जा चूका है। यमुनानगर चीनी

मिल द्वारा यह आश्वासन दिया गया है कि किसानो की बकाया धनरा ि ा का भुगतान 10–9–2002 तक कर दिया जायेगा। चीनी मिल नारायणगढ़ द्वारा माननीय पंजाब एवे हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका संख्या11702 ऑफ 2002 दायर करके गन्ने के न्यूनतम यांविधिक मुल्य से अधिक मुलय के भुगंतान के विरूद्ध स्थगन आदे ा प्राप्त कर लिये है। उक्त केस की सुनवाई की तिथि 27–11–2002 नि ि चत की गई है। विभाग द्वारा उक्त केस की भीघ्र सुनवाई व स्थगन आदे ा रद्द कावाने के निश्े काफी प्रयास किये जा रहे हैं। किसानों को उनके गन्ने के बकाया मूल्य का भुगतान भीघ्र कराने हेतु भरसक प्रयत्न किये जा रहे हैं।

श्री भूपेन्द्रसिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि विभिन्न मिलोंकी पिराई कब भाुरू हुई, उनकी पेमैंट कब भाुरू हुई, मिल बन्द हुई तथा 31 मार्च तक किसानो की कितनी पेमैंट हो गई थी ? इन्होने नारायणगढ़ के बारे में कहा है कि कोर्ट का स्टे है, वह प्रोविजनल स्टे है। उसमें प्रावाईढिढ है उसमें लिखा हुआ है कि सैंट्रल गवर्नमैंट के हिसाब से पेमैंट नहीं दी हुई है, असमें स्टे है लेकिन ऐसी कोई कण्डी ान नहीं हैं जो पर्चियां उन्होने दी उनमें लिखा है कि स्टेट गवर्नमैंट ने जो एनांउस की है वह एग्रीड है। कई किसान तो ऐसे भी हैं जिन्होने ऐफिडैविट भी दिए हैं जिनका पहले कभी सर्वे नहीं हुआ और जिन्होंने पहली दफा ही गन्ना बोया है, उनकी भी पूमैंट नहीं हुई है। किस आधर पर वह पेमैंट रोकी हुई है और अस बारे

में क्या कार्यवाही कररहे हैं ? बार–बार मंख्य मंत्री जी के ब्यान भी आते रहे और किसानो से उनका वायदा भी था कि 15 दिन मेंपेमैंट कर दी जाएगी और 15 दिन के बाद जो डिलेड पेमैंट होगी उनको इस डिलेड पेमैंट का इन्ट्रस्ट मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहूंगा कि ऐसे कितने लोगों को इन्ट्रस्ट मिला है, 15 दिन से ज्यादा कितने किसानों की डिलेड पेमैंट हुई है, क्या ये इस बात को बताएंगे ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता को आपके माध्यम से यह जानकारी करवाऊगां कि इनकी कॉलिंग अटैं ान मो ान आनेसे पहले को–आपरेटिव भूगर मिलो की एक–एक पाई दी जा चुकी हैं। चूंकि ये विपक्ष के नेता हैं इसलिए इनको इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि कोई भी चीज स्पीकर साहब के रूबरू प्रस्तुत की जाए तो उससेपहले उसका पूरा ज्ञान होना चाहिए और अगर नहीं हैताक चौधरी भजन लाल जी से पूछ लें। चाहे ये आपस मेंलगते हैं लेकिन यह एक कानूनी बार है। (विघ्न) मैं तो बता ही रहा हूं। विपक्ष के नेता अगर मुझ से पूछते तो फिर भूगर मिल, मेहम के सामने धरना देने ी आव यकता ही नहीं पड़ती। हुड्डा साहब, उस समय आपकी बहुत ही फजीती हुई थी जब भूगर मिल के कर्मचारियों और किसानो ने कहा कि हमारा कोईपैसा ही बकाया नहीं है तो फिर आप किस बात के धरने पर बैठे हैं। इनको इस बात का ज्ञान नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अनको किस–किस बात पर क्या–क्या समझाते

जाएं इनके लिए तो कोई क्लास लेने वाला आदमी होना चाहिए। हुड्डासाहब जैसे तो आप कहते हैं कि यह हमारा लीडर नहीं है और जब ये क्लास लेते हैं तो कादियान साहब जैसे लोग उसमें आते ही नहीं तथा बाद में फिर पराम र्ा करते हैं। भजन लाल जी, आप इनको बिठा कर अनकी क्लास लिया करो तथा रूल्ज एण्ड रैगुले ान्ज के हिसाब से डा० रधुबीर सिंह जी को समझाने की कोि ा ा किया करें। (विघ्न)

डा० रधुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, इन्होने मेरा नाम लिया है इसलिए मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आपका नाम आने से कोई बात नहीं हुई। आपको कौन सी गाली मिली है, नाम ही तो आया है। अगर नाम आ गया तो क्या हो गया। इसमेऐसी कोई बात नहीं है इसलिए आप बैठें। (विघ्न)

डा० रधुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, **** **** **** ****

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप बैठें(विघ्न) अनकी कोई बात रिकार्ड न करें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं बोल रहा हूं और ये बीच में बोले जा रहे हैं। (भाोर एवं व्यवधान) हुड्डा साहब, आप इनको समझाएं। लेकिन आप में ही समझ नहीं है तो औरो को क्या समझांएगे। (भाोर एवं व्यवधान) आपका क्या बपने

विधायकों पर कंट्रोल नहीं है। आपका अपने विधायकों पर कंट्रोल होना चाहिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : ****।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, बैठिए। (भाोर एवं व्यवधान) हुड्डा जी जो भी कह रहे हैं वह मुछ भी रिकार्ड न किया जाए। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : आप बैठेंगे तो मैं सारा बता दूंगा। लेकिन आप बैठें तो सही। अध्यक्ष महोदय, कल बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की मीटिंग मे भी हुड्डा जी तै ा में आकर कह रहे थे कि मैं राजनीति छोड़ दूंगा। तो उस समश भजनलाल ने कहा थ कि मैं तने छोड़न न दूंगा, एक्सपैल करूंगा। (भाोर एवं व्यवधान) आपने यह कहा था कि मैं तने छोड़न न दूंगा, एक्सपेल करूंगा (विघ्न) कल बिजनैस एडवाईजरी कमेटी में कहां था। आपके नेता ने कहा था कि छोड़न न दूंगा, एक्सपेल करूंगा।

चौधरी भजन लाल : मैंने अम्बाला के बारे कहा था कि अगर दोशी पाया गया तो कार्यवाही करेंगे।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इससे आगे बढकर भजन लाल ने यह भी कहा था कि बि नोई की आदत है कि जहां से उठाते हैं वहीं लाकर ठिाते हैं दोबारा ।(हंसी) अध्यक्ष

महोदय, मैं विपक्ष के नेता की बात पर न जाकर के काम की बात पर आता हूं। अध्यक्ष महोदय, चूंकि हरियाणा प्रदे ा गन्ना पैदा करने में अग्रणीय प्रदे ा है इसलिए हरियाणा प्रदे ा के किसान गन्ना ज्यादा पैदा करते हैं क्योंकि गन्ना प्राकृतिक प्रकोप को बर्दाश्त करने वाली फसल है। इसलिए हमारी सरकार ने किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कि वह ज्यादा गन्ना पैदा करे उसके लिए ज्यादा भाूगर मिलें लगाई हैं और गन्ने के ज्यादा दाम दिए हैं। चूंकि काग्रेस हमे ाा किसान विरोधी रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर इनके सरकारी आंकड़े इनके रूबरू प्रस्तुत करना चाहुंगा कि कांग्रेस पार्टी के टाईम में जब कभी भी गन्ने के भाव बढ़ने का अवरा आता था तो इन्होने गन्ने का भाव 50 पैसे प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाए थे। जब लोग इन दामों के बारे में विरोध करते थे तो चौधरी भजन लाल जी के मंत्रित्वकाल में लोगों पर घोड़े दौड़ाए जाते थे और उन पर ठण्डे पानी के फब्बारे छोड़े जाते थे। यह तो चौधरी देवीलाल जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद किसान के गन्ने के दाम निरन्तर बढ़ते चले गए और सबसे ज्यादा 110 रूपए प्रति क्विंटल गन्ने के दाम दिये है। मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा की गन्ने की को–आपरेटिव भाूगर मिलो का एक भी बाकी पैसा किसानों को नहीं दिया जाना है। इसी प्रकार हरियाणा में प्राइवेट भाूगर मिल्ज भी हैं। उसमें सरस्वती मिल की तरफ केवल 2 प्रति ात पैसा लोगोंका बकाया है और उन्होने सरकार से कहां है कि वे इस रूानिवार को बकाया पेमैंन्ट कर देंगे। इसी तरह से भादसों में भी

भुगर मिल है उसका भी लगभग 85 प्रति ात पैसा आ गया है और वे कहते हैं कि वे इस महीने के अंत तक पैसा दे देंगे। इस मामले में हम जोर नहीं दे पर रहे हैं क्योंकि वह कांग्रेस पार्टी का सक्रिय सदस्य है और उस मिल का मालिक हैं। हम यह इसलिए नहीं कर पर रहे हैं क्योंकि अगर हम उसको कहेंगे तो बाद में ये कहेंगे कि हमारे आदमी पर बदले की भावना से मुकद्दमा बना रहे हो। (विघ्न) वह नारायणगढ़ में प्राईवेट मिल है और यह मामला कोर्ट में चल रहा है। यह मामला सब–ज्यूडि ा है। इस मामले में तो हुड्डा जी आप ला–ग्रेजुएट हैं और आप इनको समझा सकते हैं, यह आपके समझ की बात है और दूसरी इनकी समझ की बात हैं। (हंसी) कोर्ट के मामले पर यहां पर चर्चा् नहीं होनी चाहिए। भादसों के बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि विनाद भार्मा जी की तरफ जो पैसा बाकी है वह उनको लोगों को देना चाहिए और नैतिकता के आधार पर देना चाहिए अगर नही देंगे तो कांग्रेस की डिक ानरी में नैतिकता भाब्द ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारी ताक एक सोच है कि हम तो किसानोंको प्रोत्साहित करने के लिए और भूगर मिल्ज लगाने की योजना ीाी बना रहेहैं। हमारी सरकार की नाफ किसानों का एक भी पैसा बकाया नहीं है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि पंजाब में आज भी लगभग 87 करोड़ रूपए बकाया हैं।(भाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है लेकिन वहां पर केवल एक मात्र भूगर मिल गंगानगर में ही है। वहां प9र भी अभी तक गन्ने का बकाया है।

इसी तरह से मध्य प्रदे ा में भी जहां कांग्रेस की सरकार है वहां पर भी गन्ने का बकाया है। (विघ्न)

श्री जय प्रका ा : स्पीकर सर, मध्य प्रदे ा में तो बिजली फ्री किसानों का मिल रही है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: जय प्राक ा, क्या बाप मुझे बोते हूए नहीं देख सकते ? आप बीच में ही क्यों बोलने लग जाने हो, जय प्रका ा, क्या आप अपनी जगह पर नहीं बैठ सकते?(विघ्न) स्परकर साहब जिसको अलाउ करते हैं, वहीं बोनता है जबकि आप बीच में ही बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं।

श्री जय प्रका ा : स्पीकर सर, (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, बैठिए। अब जय प्रका ा जी की कोई बात रिकार्ड न करें। जय प्रका ा जी, बैठिए। जय प्रका ा जी, पहले बाप बोंलना सीखें। आप सभ्य बनें। (विघ्न) जब मौका आता है तो बोलते हैं, ऐसे ही बीच में बोलने के लिए नहीं खड़े होना चाहिए। (विघ्न)

श्री जय प्रका ा : स्पीकर सर ****

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, आप बैठ जाएं। इस तरह से बीच में बोलने के लिए खड़े नहीं होते।(विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसका तो इलाज करना ही पड़ेगा, क्या करें ? अगर हम इसका इलाज करेंगे

तो फिर ये भी कह देंगे। इस तरह से तो काम नहीं चल सकता। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, या तो हुड्डा साहब अपने मैम्बर्ज को कंट्रोल करें अन्यथा इस प्रकार से तो सदन नहीं चल पाएगा और हमे कोई भी बीच में इसलिए नहीं बोलता क्योंकि इनके पास कहने के लिऐ मुछ होता ही नहीं है तो भजनलाल जी को लीडर बना दें मुझे पता है यह एक मिनट मे उस को एक्सपेल कर देंगे। ये न तो आदमी की सीमा होनी ही चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जहां तक बेरी का ताल्लुक है, कांग्रेस पार्टी की सरकारो में कितने–कितने अर्से के बाद गन्ने की पेमेंट हुई है वह मैं सदन को बता देता हूं। अध्यक्ष महोदय, 1992–93 में ढ़ाई वर्शो के बाद गन्ने की पेमेंट हुई है। असके अलावा चौधरी बंसीलाल जी की सरकार मे वक्त का 21 करोड़ रूपया बकाया ीाी मैंने बाद में दिया है।

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री पर्सनल छींटाकं ाी न करें बल्कि मैरिट के आधार पर अगर ये बताएं ताक ज्यादा अच्छा रहेगा।

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, आप बैठिए। यह तो फैक्ट है इसमे आप क्या कहेगे यह तो असलियत है। इसलिए अब आप बैठिए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं मैटि के आधार पर ही बता रहां हूं मै इस बारे में सरकारी आकड़े सदन के यमक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, जब बंसीलाल जी

मंख्यमंत्री के पद से हटे थे या जब इनको हटा दिया गया था तो ये इस सदन से **** हो गये थे और उसके बाद जब हमारी सरकार बनी थी तब हमने इनके वक्त की बकाया 21 करोड़ रूपये की पेमेंट किसानों को दी।(विघ्न)

चौधरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ये भी थोड़े दिन के बाद गायब हो जाएंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी किस तरह की लैंग्वेज यूज कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब,आप बैठिए।

श्री बोम प्रका ा चौटाला : हुड्डा साहब, बाप तो उस वक्त थे ही नहीं। आप उस वक्त सदन में हीां थे। आप भी उस वक्त इनके आदमी हुआ करते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं तो आज भी हुड्डा साहब को इज्जत देता हूं क्योंकि ये विपक्ष के नेता है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मंख्यमंत्री जी किस तरह की भाशा का प्रयोग कर रहे हैं। क्या यह पार्लियामैंट्री भाशा है ?(विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय,मुख्यमंत्री जी पर्सनल छींटाकसी कर रहे हैं।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठ जाएं। मंख्यमंत्री जी कोई पर्सनल छींटाकंसी नहीं कर रहे है।(भाोर एवं व्यवधान) आप सभी बैठ जाएं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी सदन में पर्सनल छींटाकंसी कर रहे है। ये जब भी जवाब देते हैं तो इस तरह की बात करते है।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठ जाएं।

श्री धर्मबीर सिंह : स्पीकर सर, मंख्यमंत्री जी यहां पर ** जैसी अन– पार्लियामैंट्री भाशा का यूज कर रहे हैं। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर सर, सदन के नेंता अगर यहांपर ऐसी भाशा का प्रयोग करेंगे तो हरियाणा के लोग क्या कहेंगे ? (भाोर एवं व्यवधान)

श्री बोम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार के वक्त में जो गन्ने का रेट हुआ करता था वह मै आपके द्वारा सदन को बताना चाहूंगा। जब जब इनकी सरकार बनी तो उस वक्त गन्ने का नेट आठ आने या ऐ रूपये तक बढ़ाया जाता था लेकिन अध्यक्ष महोदय, जब बीच में इस प्रदे ा में जनता पार्टी की सरकार बनी और जब चौधरी देवीलाल उस सरकार के मुख्या बने तब उन्होंने यकलख्त गन्ने का रेट बढ़ाया था। बाद में जब बड़े पैमाने पर दल बदल करवाकर चौधरी भजन लाल जी

मुंख्यमंत्री बने तो इन्होंने फिर से गन्ने का बढ़ा हुआ रंट घ्टा दिया । यानी 11:00 बजे इनकी दोबारा जब सरकार बनी तब इन्होंने बढ़े हुए रंट से कम रेट कर दिया। आज आपको अस बात पर गर्व करना चाहिए कि हरियाणा प्रदें ा में दे ा के स्तर पर ही नहीं बल्कि पूरे वि व के स्तर पर गन्ने का सबसे ज्यादा दाम किसान को दिया है।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठ जाएं। जब बापकी सप्लीमैंट्री का वक्त आएगा तब आप मूछ लेना है।

चौधरी भजन लाल : ठीक है अध्यक्ष महोदय।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम इस बात के पक्षधर हैं कि किसान आर्थिक तौर पर सम्पत्र हो उसको उपज के दाम ज्यादा से ज्यादा मिल सकें और यदि हम गन्ने का ज्यादा भाव देंगे तो भूगर मिलें ज्यादा लग सकेंगी और जब ज्यादा गन्ना का त होगा तो निि चत रूप से सिंचाई के साधन भी ज्यादा उपलब्ध कराने पड़ेगे इसनिए हरियाणा की मौजूदा सरकार को अस बात के लिए श्रेय जाता है और हम माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आभारी हैं कि जिन्होंने उस एस०वाई०एल० के निर्माण का फैसला हमारे पक्ष में करके किसान को राहत प्रदान की हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : एस०वाई०एल० का जिक इसमें कहां से आ गया। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : गत्रे की फसल के लिए पानी की आव यकता पड़ती है इसलिए इस बात को इसमें जोड़ा जा सकता है। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : जब अस बारे में बात आण्गी तो फिर बता आएगी तो फिर बताऊगा अभी तो बात में बात जोड़ रहा हूं (भाोर एवं व्यवधान) ताकी इनकी पहले ही बोलती बंद हो जाए।(भाोर एवं व्यवधान) एस०बाई०एल० का पानी आने के बाद साढ़े चार लाख एकड़ अधिक भूमि सिंचित होगी और जब पानी ज्यादा आएगा तो किसान नि चित रूप से लाभप्रद फसल बो पाएगा और उसको ज्यादा से पेमेंट हाथ के हाथ देंगे कोई पैसा किसान का बाकी नहीं रहेगा।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठ जाएं। पहले भजन लाल जी को सप्लीमैंट्री पूछ लेने दें।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता होने के नाते मेरा भी हक बनता है।

श्री अध्यक्ष : सप्लीमैंट्री एक ही बनती है। भजन लाला जी सप्लीमैंट्री पूछेगें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री जी ने बड़े जोर से बात कह दी कि हमारे राज्य में बड़ा गन्ने का भाव बढ़ा है। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से एक बात पूछना चाहता हूं कि गन्ना किसके राज में खड़े खेतो में जलाया गया था

और दूसरी बात मै यह पुछना चाहता हुं कि गन्ना और आलू किस राज में खेतो से बाहर फैंका था और यह भी बता दें हमारे राज में गन्ने का भाव कितना बढ़ज्ञं

विवेंक उच्च विद्यालय चण्डीगढ़ के विद्यार्थियों का स्वागत

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं आपके द्वारा इस सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि इस समय असैंबली की लॉबी में विवेक हाई स्कूल, चण्डीगढ़ के छात्र विधान सभा कि कार्यवाही देखने आए है ये दे ा के उज्जवल भविश्य है। मेरा आप सभी से निवेदन है कि इन्होंने आप से और हम से प्रेरणा लेनी है इसलिए संयम बनाए रखें ताकि बच्चो पर कोई बुरा असर न पड़ जाएं। मैं उन बच्चों का अभिन्नदन करता हूं और उन्हे यह वि वास दिलाना चाहूगां कि हम आपके रास्ते की सारी बधांए दूर करने का प्रयास करगें।

चौधरी भजन लाल : हम भी उनका अभिनंदन करते है लेकिन आप भी अपनी मर्यादा में बात करिए। हम मर्यादा में बोलते है। आप यह बता दे की गन्ना कब जला था ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : कांग्रेस भाासन के आठ वर्शो में गन्ने के दाम में पचास पैसे प्रति क्विंटल के हिसाब से वृद्धि हुई।

चौधरी भजन लाल : यह आप किस पीरिड की बात कर रहे है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : 1967–68 की बात कर रहां हूं तब गन्ने का रेट 12.50 रूपये था (विध्न)

वक्तव्य–

उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी (पुनरारम्भ)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : उस समय तो आप भी विधायक थे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : लेकिन मैं उस समय सरकार में मंत्री नहीं था।

चौधरी भजन लाल : गन्ने के भाव बढ़ाने वाला तो मैं ही था।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी आप बैठे–बैठे न बोले।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप खड़े हो कर बोलने नहीं देतें।

श्री अध्यक्ष : इसलिए आपने बैठे–बैठे बोलना भाुरू कर दिया।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ सालो के आंकड़े बता देता हूं। 1967–68 में गन्ने का भाव 12.50 पैसे था, 1968–69 में गन्ने का भाव 7.37 पैसे था 1969–70 में

गन्ने का भाव 7.37 था,1970–71 में गन्ने का भाव 7.37 पैसे थ, 1971–72 में गन्ने का भाव 8.50 पैसे था, 1972–73 में गन्ने का भाव 12.00 रूपये था।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, 1972–73 में 8 रूपये से 12 रूपये मैने किया था।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : आप कल कह रहे थे कि जब एग्रीकल्चर मिनिस्टर थे तो कृशि बीमा योजना आपने भाूरू की थी।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, 1973–74 में गन्ने का भाव 8.19 पैसे था,

1974–75 में गन्ने का भाव 10.50 पैसे था, 1975–76 में गन्ने का भाव 13.00 रूपये था,

1982–83 में गन्ने का भाव 22.00 रूपये था,1983–84 में गन्ने का भाव 23.00रूपये था

1984–85 में गन्ने का भाव 24.00 रूपये था,1985–86 में गन्ने का भाव 27.00रूपये था

1986–87 में गन्ने का भाव 28.00 रूपये था,1987–88 में गन्ने का भाव 32.00रूपये था

1988–89 में गन्ने का भाव 35.00 रूपये था,1989–90 में गन्ने का भाव 40.00रूपये था

1980–91 में गन्ने का भाव 45.00 रूपये था,1991–92 में गन्ने का भाव 49.00रूपये था

गन्ने के ये सारे भाव चौधरी देवी लाल जी हरियाणा प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे उस समय में बढ़ाए गए थे और ऐसी कोई सरकार प्रदे ा में नहीं रही जिसमें चौधरी भजन लाल जी भामिल नहीं थे।

चौरी बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवीलाल जी जब प्रदे ा के मुख्यमंत्री थे उस सतय किसानों ने अपने खेतो में गन्ना जलाया था।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : ऐसी कोई सरकार नहीं थी जिसमें गन्ना नहीं जलाया गया हो। और ऐसी कोइग सरकार नहीं जिसमें चौधरी भजनलाल जी नहीं घूसे हों।

चौधरी भजन लाल : मेरे बगैर कोई सरकार बन ही नहीं सकी।(विध्न)

श्री भूपेन्दग सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो सप्लीमैंटरी में पूछा था उस प्र न का तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने

जवाब नहीं दिया। अगर नारायणगढ़ में किसानों के गन्ने की पेमेंट के बारे में कोर्ट ने स्टे नहीं दिया ताक आपने पेमेंट क्यों रोक रखी है। अगन कोर्ट ने स्टे दिया है तो सरकार ने इसके बारे में क्या ऐक ान लिया है।

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, आप बैठिये।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैंने जो सप्लीमैंटरी में पूछा था उस प्र न का तो माननीय मुंख्यमंत्री जी ने जवाब नहीं दिया।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठिये, जो हुड्डा साहब बोल रहे हैं उसको रिकार्ड न किया जाये। डाक्टर साहब आप बोलिये। अगर डाक्टर नहीं बोल रहे हैं तो भाादीलाल बतरा जी बोलें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, किसानो ने गन्ना कब जलाया इसके बारे में मुख्यमंत्री जी बतायें। (ाोर)

वाक– आउटस

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब, सदन के वरिश्ठ सदस्य जैं ओर मैं सदन के नेता को आग्रह कर चुका हूं कि उनको बुलाएं। इसलिए मेरा निवेदन स्वीकार करें और मुझे बताएं कि उनको बुलाया जा रहा है या नहीं। (भाोर एवं व्यवधान) मैंने पहले भी कहां था कि दोनो कालिंग अटैं ान में

उनका नाम है, वे वरिश्ठ सदस्य हैं उनको बोलने का मौका मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : उनका नाम डिलीट कर दिया गया है, उनको सस्पैंड कर दिया गया हैं। डाक्टर रधुबीर सिंह जी बाप बोलें, आपको बोलने का मौका दिया जा रहा है।

श्री रधुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, पहले आप कैप्टन साअब का फैसला करें। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हाउस समूथली चल रहा था, अब आपको क्या याद आ गया है।

श्री भूपेन्दग सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी आपसे आग्रह किया है कि कैप्टन साहब को बुलाया जाए, अगर उससे गलती से मुछ कहा गया है तो मैं उसके लिए क्षमा मांगता हूं। (भाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कृपा करके उनको बुलाया जाए क्योंकि एक दिन का सै ान है। उसने उतेजना में कुछ कह दिया है तो हम खेद प्रकट करते है। (भाोर एवं व्यवधान) इस समय कांग्रेस के कई सदस्य अपनी–अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे।

श्री अध्यक्ष : जो भी सदस्य बिना परमी ान के बोल रहे है, वह रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय ने ानलिश्ट कांग्रेस पार्टी के सदस्य श्री जगजीत हसंह सागवान सदन से वाक– आउट कर गए।)

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा बाहर तो बड़े लच्छेदार भाशण देते हैं कि अब कि बार बताउंगा कि विपक्ष क्या होता है और अब वाक आउट करके जा रहे हैं, कल भी वाक आउट कर गए। लोगों से जाकर यं क्या कहेंगे, लोगो ने अन्हें किस लिए यहां भेजा था।

वर्श 2002–2003 के अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) प्रस्तुत करना

Mr.Speaker: Now,the Finance Minister will present the Suipplementry Estimates (First Instalment) 2002-2003.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to present the Supplementary Estimates (First Instalment) 2002-2003.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now, Shri Lila Krishna , Chairperson , Commitee on Estimates , will present the report of the commitee on Estimates , will Present the report of the committee on Estimates on the Supplementry Estimates (First Instalments)2002-2003.

Shri Lila Krishna (Chairperson, Commitee on Estimates (First Instalment) 2002-2003.

वर्श 2002–2003 अनुपूरक अनुमनों (पहली किस्त) पर चर्चा तथा मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discission and voting on Supplimentary Estimates (First Instalments)2002-2003 will take place.

As per the past practice and in order to save the time of the house, demands on the order paper will be deemed to have been read and moved. Hon'ble Members can discuss any demand.They are requested to indicate the demand number on which they whish to raise discussion,

That a supplementry sum not exceeding Rs4,00,63,000/- for revenue expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment are the year ending 31st March , 2003 in respect of Demand No.16-Industries.

That a Supplemetry sum not exceeding Rs. 4.55.00.30/- for revenue expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment are the year ending 31st March , 2003 in respect of Demand No.20-Forest.

That a supplimentary sum not exceeding Rs.1,26,60,00,000/-for capital expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment are the year ending 31st March , 2003 in respect of Demand No.25-Loan and Advances by the State Govt.

(No member rose to speak)

Mr. Speaker : Now, the demands will be put to the vote of the House.

Mr. Speaker: Question is-

That Supplementary sum not exeeding Rs.4.00.63.000/-for revenue expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March , 2003 in respect of Demand No.16-Industies.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That Supplementary sum not exeeding Rs.4.55.00.000/-for revenue expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March , 2003 in respect of Demand No.20-Forest.

The motion was carried.

Mr. Speaker:Question is-

That Supplementary sum not exeeding Rs.1.26.60.00.000/-for revenue expenditure be granted to the Governer to defray charges that will come in the course of payment for the year ending 31st March , 2003 in respect of Demand No.25-Loan and Advances by State Govt.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now,the FinanceMinister will persent the Demands over Grants and Appropriation for the year 1997-98 and1998-99.

Finance Minister (Prof,Sampat Singh): Sir,I beg to present the Excess Demands over Grant and Appropriation for the year 1997-98 and 1998-1999.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discussion and voting on the Excess demands over Grants and Appropriation for the year 1997-98 and1998-99 will take place.As per past pratice and in order to save the time of the House all the demands on the order paper will be deemed to have been read and moved together.The Hon'ble Members can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise the discussion.

That a grant of a sum not exceeding Rs.67,94,335/- be made to regularize the charges already incrred in exess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of General Administration .

That a grant of a sum not exceeding Rs.13,02,26,752/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Home.

That a grant of a sum not exceeding Rs.1,15,70,541/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Excise and Taxation.

That a grant of a sum not exceeding Rs.1,82,635/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Other Administrative Services.

That a grant of a sum not exceeding Rs.13,78,87,559/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Buildings and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs.45,59,68,573/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Education.

That a grant of a sum not exceeding Rs.5,24,38,039/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Irrigation.

That a grant of a sum not exceeding Rs.3,56,73,805/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Animal Husbandry.

That a grant of a sum not exceeding Rs.53,29,88,232/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Loan and Advances by the State Government.

That a grant of sum not exceeding Rs.10,90,64,749/- be made to regularize the charges already incured in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1998-99 in respect of Finance.

(No Member rose to speak)

Mr.Speaker: Hon'ble Members, now I shall put various demands for year 1997-98 to the vote of the House.

Mr. Speaker: Question is –

That a grant of a sum not exceeding Rs.67,94,335/-be made to reglarize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of General Administration.

That a grant of a sum not exceeding Rs.13,02,26,752/-be made to reglarize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Home.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs.1,15,70,541/-be made to reglarize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Excise and Taxtation.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs.1,82,635 /-be made to reglarize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of other Administrative Services.

(Mr. Speaker)

That a grant of a sum not exceeding Rs.13,78,87,559 /-be made to reglarize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Building and Roads.

That a grant of a sum not exceeding Rs.45,59,68,573/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Education.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs.5,24,38,039 /-be made to reglarize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Irrigation.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is

That a grant of a sum not exceeding Rs.3,56,73,805 /-be made to reglarize the charges already incurred in excess

of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Animal Husbandary.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding Rs.53,29,88,232/- be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted bythe Legislative Assembly for the year 1997-98 in respect of Loan and Advances by the State Government.

The motion was carried.

Mr.Speaker: Hon'ble Members, now I shall put various demands for year 1998-99 to the vote of the House.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of sum not exceeding Rs.10,90,64,749/- be made to regularize the charges already incured in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1998-99 in respect of Finance.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 2.00 P.M. today.

***11.18 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. today, Tuesday the 3rd September, 2002)

ANNEXURE

Number of Proclaimed Offenders

119. Shri Karan Singh Dalal : Will the Chief Miniser be pleased to state whether any criminal has been declared proclaimed offernder in the State during the year 2000 and 2001, if so, the district-wise number and names thereof ?

मुख्यमंत्री, (श्री ओम प्रका ा चौटाला): हां, श्रीमान् जी, वांछित सूचना पटल पर रखी जाती है।

तारांकित विधान सभा प्र न संख्या 119 का विवरण।

उद्घोशित किए गए अपराधियों की जिलावार संख्या।

क्र0 सं0	जिला	उद्घो ित अपराधियों की संख्या	
1.	पंचकूला	1	8
2.	अम्बाला	0	6
3.	यमुनानगर	5	6
4.	कुरूक्षेत्र	4	10
5.	कैथल	6	16

6.	हिसार	22	38
7.	सिरसा	5	26
8.	जीन्द	12	28
9.	भिवानी	3	20
10.	फतेहाबाद	0	3
11.	रोहतक	15	12
12.	सोनीपत	5	7
13.	करनाल	37	58
14.	पानीपत	25	13
15.	झज्जर	20	24
16.	गुड़गांव	15	11
17.	फरीदाबाद	26	24
18.	नारनौल	0	7
19.	रिवाड़ी	0	1
20.	रेलवे पुलिस	26	10